श्रावण शुक्ल पक्ष -6, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 43 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
18 अगस्त 2026 मंगलवार

आज का मौसम
27.1 अधिकतम
23.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

नई विश्व-व्यवस्था का युद्ध... क्या भारत अपनी ही राजनीति से हार जाएगा?

दुनिया एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुकी है, जहाँ महाशक्तियों के बीच संघर्ष केवल मिसाइलों, टैंकों और युद्धपोतों से तय नहीं होगा। इक्कीसवीं सदी की असली लड़ाई समुद्री व्यापार मार्गों, रेयर अर्थ खनिजों, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा, ऊर्जा, मीठे पानी और रणनीतिक अवसंरचना पर नियंत्रण की है। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया का संकट इसी बदलती विश्व-व्यवस्था की प्रस्तावना है। यह सीमाओं का नहीं, बल्कि आपूर्ति श्रृंखलाओं, तकनीक और आर्थिक प्रभुत्व का युद्ध है।

प्रसंगवश
ह्यह्यराजेश

भारत के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि वह अमेरिका, रूस या चीन में किसके अधिक निकट खड़ा है। वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या वह इस नई विश्व-व्यवस्था के अनुरूप स्वयं को समय रहते तैयार कर रहा है। भारत के पास विशाल जनशक्ति, बड़ा बाजार, रेयर अर्थ की संभावनाएँ और लोकतांत्रिक व्यवस्था है, लेकिन इन सबका लाभ तभी मिलेगा जब निर्णय लेने की गति तेज़ होगी और राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाएँ समय पर पूरी होंगी। पिछले एक दशक में भारत ने अपनी रणनीतिक सोच में उल्लेखनीय परिवर्तन किया है। उत्तर-पूर्व, जिसे कभी देश का सबसे दूरस्थ क्षेत्र माना जाता था, आज राष्ट्रीय सुरक्षा और इंडो-पैसिफिक रणनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। अरुणाचल प्रदेश तक हर मौसम में सड़क संपर्क, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा तक रेल नेटवर्क का विस्तार, सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलों, सुरंगों और राजमार्गों का निर्माण केवल विकास योजनाएँ नहीं हैं; उनका उद्देश्य आवश्यकता पड़ने पर सेना, हथियार और रसद को कम समय में सीमा तक पहुँचाना भी है।

इस सोच की नींव अटल बिहारी वाजपेयी ने स्वर्णिम चतुर्भुज और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से रखी थी। बाद के वर्षों में अटल टनल, दुनिया का सबसे ऊँचा चिनाब रेल आर्च ब्रिज, कश्मीर और लद्दाख की रणनीतिक सुरंगें तथा उत्तर-पूर्व में तेज़ी से विकसित हो रहा सड़क और रेल नेटवर्क उसी राष्ट्रीय दृष्टि का विस्तार हैं। लेकिन यहीं भारत की सबसे बड़ी चुनौती सामने आती है। चीन में राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाएँ राजनीतिक विवादों में वर्षों तक नहीं उलझतीं। भारत में लोकतंत्र हमारी सबसे बड़ी ताकत है, किंतु कई बार यही लोकतांत्रिक प्रक्रिया राजनीतिक टकराव, लंबी न्यायिक प्रक्रियाओं, भूमि अधिग्रहण विवादों और वैचारिक संघर्षों के कारण रणनीतिक परियोजनाओं को वर्षों तक विलंबित कर देती है। देश में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जहाँ समर्थकों का आरोप है कि राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाएँ राजनीतिक कारणों से अपेक्षित गति नहीं पकड़ सकीं। केरल का विझिंजम गहरे समुद्री बंदरगाह भारत की समुद्री रणनीति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन उससे जुड़ी संपर्क सड़क और अन्य सहायक अवसंरचना लंबे समय तक विवादों और विलंब का विषय बनी रही। इसी प्रकार पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़बंदी, सीमा चौकियों और कुछ रणनीतिक अवसंरचना परियोजनाओं को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के बीच लंबे समय तक मतभेद रहे। राज्य सरकार ने बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र बढ़ाने का भी विरोध किया, जबकि केंद्र का तर्क था कि सीमा सुरक्षा के लिए बेहतर समन्वय आवश्यक है। हाल के वर्षों में सीमा बाड़बंदी और संबंधित परियोजनाओं में तेज़ी आने का दावा किया जा रहा है।

इसी बहस का सबसे बड़ा उदाहरण लगभग 76 हजार करोड़ की ग्रेट निकोबार समेकित विकास परियोजना है। सरकार का कहना है कि यह परियोजना भारत को मलक्का जलडमरूमध्य के निकट एक रणनीतिक ट्रांसशिपमेंट हब, आधुनिक हवाई अड्डा और सशक्त समुद्री अवसंरचना प्रदान करेगी, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की सामरिक स्थिति और आर्थिक क्षमता दोनों मजबूत होंगी। दूसरी ओर विपक्षी दलों और पर्यावरण समूहों ने इसके पर्यावरणीय प्रभाव, जैव विविधता और स्थानीय समुदायों के अधिकारों को लेकर गंभीर प्रश्न उठाए हैं। लोकतंत्र में ऐसी बहस स्वाभाविक है, लेकिन राष्ट्रीय हित, पर्यावरण और स्थानीय अधिकारों के बीच संतुलित समाधान निकालना भी उतना ही आवश्यक है।

आज दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धा बंदूक से अधिक बंदरगाहों, एक्सप्रेस-वे, रेलमार्गों, सुरंगों, सेमीकंडक्टर संयंत्रों, डेटा सेंटरों और ऊर्जा गलियारों की है। जो देश जितनी तेजी से निर्णय लेगा, उतनी ही तेजी से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी स्थिति मजबूत करेगा। इतिहास गवाह है कि हर नई विश्व-व्यवस्था किसी बड़े युद्ध, आर्थिक संकट या तकनीकी क्रांति के बाद जन्म लेती है। प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद भी वैश्विक शक्ति-संतुलन बदला था। आज भी दुनिया वैसी ही दहलीज़ पर खड़ी है। बीसवीं सदी तेल की थी; इक्कीसवीं सदी पानी, रेयर अर्थ, कृत्रिम बुद्धिमता, सेमीकंडक्टर और डेटा की होगी।

तय करें... इतिहास हमें किसलिए याद रखेगा...

भारत के लिए सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि वह किस महाशक्ति के साथ खड़ा है। असली प्रश्न यह है कि क्या वह अपनी लोकतांत्रिक शक्ति को निर्णय क्षमता, तकनीकी आत्मनिर्भरता और रणनीतिक अवसंरचना निर्माण के साथ जोड़ पाएगा। यदि ऐसा हुआ, तो भारत केवल नई विश्व-व्यवस्था का सहभागी नहीं होगा, बल्कि उसके निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाने वाली शक्ति बनकर उभरेगा। लेकिन यदि राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाएँ राजनीतिक टकराव, अंतहीन मुकदमों और निर्णयहीनता की भेंट चढ़ती रहीं, तो इतिहास यह भी दर्ज करेगा कि भारत अवसरों की कमी से नहीं, बल्कि अपनी ही गति से पीछे रह गया। दुनिया की महाशक्तियाँ अब केवल युद्ध नहीं लड़ रहीं, वे भविष्य की अर्थव्यवस्था का नक्शा भी बना रही हैं। प्रश्न यह नहीं है कि भारत उस नक्शे में कहाँ खड़ा होगा; प्रश्न यह है कि क्या भारत उस नक्शे को बनाने वालों में शामिल होगा। 'इतिहास अवसर बार-बार नहीं देता। बीसवीं सदी की औद्योगिक क्रांति और डिजिटल क्रांति में भारत देर से पहुँचा था। यदि रेयर अर्थ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, जल और रणनीतिक अवसंरचना की इस नई दौड़ में भी हम राजनीतिक टकरावों में उलझे रहे, तो इतिहास हमें संसाधनों की कमी से नहीं, बल्कि निर्णय लेने में हुई देरी के कारण याद रखेगा।'

न्यूज विंडो

कर्नाटक: केपीएससी भर्ती घोटाले में 21 ठिकानों पर ईडी की रेड

बेंगलुरु। कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) की वेटरिनरी ऑफिसर भर्ती को लेकर बड़ा विवाद बढ़ता जा रहा है। कथित भ्रष्टाचार के मामले में ईडी ने 21 जगहों पर छापेमारी की है। केपीएससी भर्ती मामले में ईडी ने जिन 21 ठिकानों पर छापेमारी की है, उसमें सस्पेंड किए गए चेयरमैन शिवशंकरप्पा एस. साहूकार का कार्यालय, सदस्य शांता होसमनी के घर और कथित बिचौलियों के ठिकानें शामिल हैं. ईडी की टीमें इन जगहों पर तलाशी ले रही है। इसके अलावा, परीक्षा की डिजिट कॉपियां जांचने वाली कंपनी एडुस्टेट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटड के कार्यालय और वेटरनरी ऑफिसर पद के लिए चुने गए कुछ उम्मीदवारों के ठिकानों पर भी छापेमारी की जा रही है।

टीआईएसएसके दीक्षांत समारोह में चीफ गेस्ट नहीं होंगे सीजेआई

मुंबई। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत अब टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस) के 86वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि नहीं होंगे। उनकी जगह टाटा स्मारक अस्पताल के निदेशक डॉ. सीएस प्रमेश मुख्य अतिथि होंगे। यह दीक्षांत समारोह अब 22 अगस्त को होगा। पहले सीजेआई सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाया गया था और उन्हें दीक्षांत समारोह में भाषण देना था। यह फैसला ऐसे समय आया है, जब हैदराबाद की NALSAR यूनिवर्सिटी में 450 से ज्यादा छात्रों ने सीजेआई को दीक्षांत समारोह का मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया था।

ट्रक और सीआरपीएफ के बंकर वाहन की टक्कर, 5 जवान घायल

कुलगाम। कश्मीर के कुलगाम जिले के काजीगुंड में ट्रक और सीआरपीएफ के बंकर वाहन की टक्कर हो गई। हादसे में 5 जवान घायल हो गए। दुर्घटना लेवडोरा इलाके में हुई, जहां टक्कर के बाद बंकर वाहन पलट गया। घायल जवानों को इलाज के लिए 163 बटालियन सीआरपीएफ के एमआई रूम, काजीगुंड ले जाया गया। अधिकारियों के मुताबिक सभी को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस मौके पर पहुंच गई है और हादसे की जांच शुरू कर दी है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी.... यूपी सरकार की एसआईटी ने जांच रिपोर्ट सौंपी

चंपत राय और मिश्रा को क्लीन चिट ट्रस्ट की बैठक में रखी जाएगी रिपोर्ट

अयोध्या, एजेंसी

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की जांच के लिए यूपी सरकार की बनाई एसआईटी ने फाइनल रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा का नाम नहीं है। बाकी 8 आरोपी पहले ही जेल में हैं। यूपी के गृह विभाग ने रिपोर्ट राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास को सौंपी है। इसे राम मंदिर ट्रस्ट की 2 सितंबर को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। ट्रस्ट ने ही उत्तर प्रदेश सरकार से चढ़ावा चोरी की एसआईटी जांच का अनुरोध किया था।

यूपी सरकार ने 13 जून को लखनऊ मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में 3 सदस्यों की एसआईटी बनाई थी। आईजी रेंज किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन कुमार इसके सदस्य थे। एसआईटी ने 23 जून को प्राइमरी रिपोर्ट सौंपी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी जांच की कमान आईपीएस अफसर को सौंपने और फाइनेंस एक्सपर्ट को शामिल करने के निर्देश दिए थे। 20 जुलाई को नई एसआईटी बनी, जिसमें लखनऊ रेंज की आईजी किरण एस, डीआईजी अयोध्या सोमेन वर्मा और अयोध्या एसएसपी गौरव ग्रोवर को शामिल किया गया। यह टीम अब भी चढ़ावा चोरी की जांच कर रही है।

जेल में हैं आठ आरोपी

चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। यूपी सरकार की एसआईटी ने 23 जून को एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (गृह) संजय प्रसाद को प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी। 25 जून को ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर FIR दर्ज हुई। इसमें रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 को नामजद किया गया। हालांकि, इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं थे। कुछ घंटे बाद ही पुलिस ने टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। वर्तमान में सभी फैजाबाद जेल में हैं। सभी पर चढ़ावा गिनती करते वक्त नोटों और गहनों की चोरी का आरोप है। SIT की प्रारंभिक रिपोर्ट के बाद महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। ट्रस्ट ने दोनों के इस्तीफे स्वीकार कर लिए और गोपाल नागरकट्टे को स्पेशल इनवाइटी की सूची से हटा दिया।

चार अलग-अलग याचिकाएं

चढ़ावा चोरी मामले से जुड़ी चार अलग-अलग याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई हैं। इनमें जांच CBI को सौंपने के अलावा मंदिर में दान के प्रबंधन से जुड़े अलग-अलग विषयों की समीक्षा के लिए एक्सपर्ट कमेटी बनाने की मांग की गई है। पुरानी एसआईटी राज्य सरकार के स्तर पर रिपोर्ट कर रही थी, जबकि नई एसआईटी को सीधे सुप्रीम कोर्ट में समय-समय पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेगी। पूरे मामले की जांच की निगरानी खुद सुप्रीम कोर्ट कर रहा है।सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन और चोरी के मामलों की तकनीकी जांच में पुलिस अधिकारियों की भूमिका सीधी और ज्यादा असरदार होती है। इसलिए DIG और SSP को सदस्य बनाकर जांच का दायरा सीधे पुलिस महकमे के अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

'सेव अमेरिका एक्ट' पास कराने की वकालत

ट्रम्प बोले - भारत में हर वोटर की फोटो आईडी, अमेरिका को भी ऐसा ही सिस्टम चाहिए

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत की चुनाव व्यवस्था का हवाला देते हुए 'सेव अमेरिका एक्ट' को पास कराने की अपील की है।

ट्रम्प ने आज अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा- इस महीने की शुरुआत में, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा था कि अमेरिका में वैध फोटो आईडी के बिना चुनाव कैसे हो सकते हैं? ट्रम्प ने आगे कहा- हमें अब सेव अमेरिका एक्ट पास करना होगा। उन्होंने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को और सख्त बनाने पर जोर दिया। उनका कहना है कि इससे अमेरिकी चुनावों की सुरक्षा और विश्वसनीयता बढ़ेगी।

भारत के 2024 के चुनाव का जिक्र करते हुए ट्रम्प ने लिखा है - इस चुनाव में 64.6 करोड़ मतदाता थे। इनमें से 1 प्रतिशत से भी कम लोगों ने डाक से वोट किया और हर मतदाता के पास एक वैध फोटो पहचान पत्र होना ज़रूरी था। हमें अब सेव अमेरिका एक्ट पास करना होगा। 'सेव अमेरिका एक्ट का पूरा नाम सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजिबिलिटी टेस्ट है जो अमेरिका में मतदाता पंजीकरण और मतदान से जुड़े नियमों को और सख्त करने वाला एक विधेयक प्रस्ताव है।

सेव अमेरिका एक्ट पर विवाद

अमेरिका में वोटर आईडी को लेकर लंबे समय से राजनीतिक बहस चल रही है। इसके समर्थकों का कहना है कि फोटो आईडी और नागरिकता के दस्तावेज चुनाव की विश्वसनीयता बढ़ाने में मदद करेंगे। वहीं, विरोधियों का तर्क है कि अमेरिका में गैर-नागरिकों का मतदान पहले से प्रतिबंधित है और सख्त दस्तावेजी नियमों के कारण ऐसे मतदाता भी प्रभावित हो सकते हैं, जिनके पास जन्म प्रमाणपत्र या वैध पासपोर्ट जैसे दस्तावेज नहीं हैं।

भिंड: गायों को बचाने में हुआ हादसा

ट्रक से टकराई पिकअप, 8 मजदूरों की मौत

भिंड/ग्वालियर, एजेंसी। प्रदेश के भिंड में नेशनल हाईवे-719 पर गोहद इलाके में सोमवार देर रात करीब 1 बजे तेज रफ्तार पिकअप सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इससे 8 लोगों की मौत हो गई। 23 घायल हैं। इनमें ट्रक ड्राइवर भी शामिल है।

घायल नंदलाल बताया कि पिकअप में कुल 29 मजदूर सवार थे। सभी अलग-अलग गांव के थे। ये लोग ग्वालियर से धान की रोपाई का काम पूरा कर घर लौट रहे थे। पहले चार मजदूरों की मौत और 25 के घायल होने की जानकारी आई थी।

हादसे के बाद गोहद चौराहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पांच शव गोहद और तीन शव ग्वालियर में रखे गए हैं। शवों की पहचान की जा रही है।

थाना प्रभारी रामनरेश यादव के मुताबिक पिकअप की रफ्तार 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटा होने का अनुमान है। छीमका गांव के पास हाईवे पर कुछ गायें सड़क पर बैठी थीं। अचानक सामने आए मवेशियों को बचाने के प्रयास में ड्राइवर ने पिकअप मोड़ी और सामने से आ रहे ट्रक से टक्कर हो गई।

अभ्युदय 2026 में शामिल हुए सीएम डॉ. यादव

अभ्युदय 2026 कार्यक्रम का आयोजन आज से माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में किया जा रहा है। उद्घाटन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुंचे। अभिनेता पीयूष मिश्रा भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों से संवाद कर शिक्षा, संस्कृति और युवा प्रतिभाओं के महत्व पर विचार साझा किए।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर | सियासी सरगर्मी तेज, दूसरे दलों से आए नेता भी होंगे एडजस्ट

नबीन की नई टीम के बाद मोदी कैबिनेट की बारी, फेरबदल जल्द

भोपाल/नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की नई टीम की घोषणा के बाद अब केंद्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक मंत्रिमंडल में बदलाव की प्रक्रिया जल्द हो सकती है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन संभावित फेरबदल के लिए 21 अगस्त की तारीख भी चर्चा में है।

सूत्रों का कहना है कि इस फेरबदल में सरकार और संगठन के स्तर पर प्रदर्शन को प्रमुख आधार बनाया जा सकता है। जिन मंत्रियों का प्रदर्शन अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा है, उनमें से कुछ को मंत्रिमंडल से बाहर किया जा सकता है। वहीं, सरकार में नए चेहरों को मौका देकर क्षेत्रीय और राजनीतिक समीकरण साधने की कोशिश भी हो सकती है। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद खाली हुई जगह को भी इस फेरबदल में भरे जाने की संभावना है। हाल के दिनों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और आम आदमी पार्टी से भाजपा में आए नेताओं को भी इस फेरबदल में जिम्मेदारी दिए जाने की अटकलें हैं। इससे मंत्रिमंडल में राजनीतिक संतुलन बनाने के साथ विपक्ष से आए नेताओं को उचित स्थान देने का संदेश भी दिया जा सकता है।

आशीष का बढ़ा दबदबा

इधर, मध्यप्रदेश भाजपा के मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल को राष्ट्रीय स्तर पर नई जिम्मेदारी दिए जाने के बाद पार्टी के भीतर उनका कद बढ़ने की चर्चा है। अग्रवाल को प्रदेश में मीडिया और संगठन के स्तर पर किए गए काम का इनाम मिलने के तौर पर देखा जा रहा है। प्रदेश भाजपा के कार्यक्रमों, सरकार की योजनाओं और पार्टी के पक्ष को मीडिया के सामने प्रभावी तरीके से रखने में उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

यूपी में तावड़े, पंजाब में पूनिया और गुजरात में चुग राज्य प्रभारी नियुक्त

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आज उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के लिए नए राज्य प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त कर दिए। उत्तर प्रदेश में विनोद तावड़े को प्रभारी और जगदीश ईश्वरभाई पटेल को सह-प्रभारी बनाया गया है। पंजाब की जिम्मेदारी सतीश पूनिया को दी गई है। उधर गुजरात का जिम्मा तरुण चुग को सौंपा गया है।

एग्रीगेटर कंपनियों के खिलाफ प्रदर्शन

शहर में टैक्सी हड़ताल, स्टेशन से नहीं मिल रही कैब, ऑटो वाले दोगुना वसूल रहे किराया

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एग्रीगेटर कंपनियों के खिलाफ टैक्सी चालक संघ की हड़ताल से भोपाल में मंगलवार रात 12 बजे से ओला, उबर समेत अन्य 3500 कैब का संचालन बंद है। आज सुबह भोपाल रेलवे स्टेशन पर इसका सीधा असर दिखा। यात्रियों ने ऑनलाइन कैब बुक करने की कई बार कोशिश की, लेकिन गाड़ियां उपलब्ध नहीं हुईं। मजबूरन उन्हें ऑटो और दूसरे साधनों का सहारा लेना पड़ा। इसका फायदा भी ऑटो चालकों ने खूब उठाया। उन्होंने डेढ़ से दो गुना किराया वसूला।

स्टेशन पर बाहर से यात्री काफी देर तक सामान के साथ इंतजार करते रहे। यात्रियों ने बताया कि रेलवे स्टेशन से टीटी नगर जाने के लिए ऑटो वाले 150-170 रुपए तक मांग रहे हैं। पहले यही किराया 80-90 रुपए था। इसी तरह रेलवे स्टेशन से लालघाटी तक के 90 से 100 रुपए के बजाय 150 से 180 तक लिए जा रहे हैं।

घुटने में दिक्कत, बच्चों के साथ कैब का इंतजार

स्टेशन पर मिलीं यात्री आकांक्षा ने बताया कि वह करीब आधे घंटे से कैब का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि उनके घुटने में परेशानी है और साथ में दो बेटियां हैं, जिनमें एक दो साल और दूसरी आठ साल की है। उन्हें रोहित नगर स्थित अपोलो अस्पताल जाना है, लेकिन कैब नहीं मिल रही।

एयरपोर्ट जाने वालों के लिए बड़ी मुसीबत

हड़ताल का असर खास तौर पर एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और शहर के प्रमुख इलाकों के बीच कैब से आने-जाने वाले यात्रियों पर पड़ रहा है। सुबह एयरपोर्ट या रेलवे स्टेशन जाने वाले यात्रियों को कैब के बजाय ऑटो, बस या निजी वाहन का सहारा लेना पड़ रहा है। ऑनलाइन कैब की उपलब्धता कम होने से यात्रियों को अतिरिक्त इंतजार भी करना पड़ सकता है।

सावन में भोले की कृपा पाने के लिए श्रद्धालुओं के जतन...कहीं दर्शन तो कहीं पारंपरिक नृत्य

भोपाल। बाबा भोले के प्रिय महीने सावन में श्रद्धालुओं की आस्था देखते ही बन रही है। लोग तरह-तरह के जतन से बाबा को रिझाने का प्रयास कर रहे हैं। राजधानी भोपाल से लगे भोजपुर में जहां हर दिन आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। लोग पारंपरिक नृत्य से उन्हें प्रसन्न करने की कवायद कर रहे हैं। बाबा बटेश्वर की शाही सवारी में उत्तर से लेकर दक्षिण की कला की प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोहा। एक ओर नृत्य की प्रस्तुतियां चलती रहीं तो दूसरी ओर श्रद्धालु कीर्तन भी करते रहे। आंध्रप्रदेश का कुचीपुड़ी नृत्य दल तो राजस्थान के नृतकों के दल ने भी

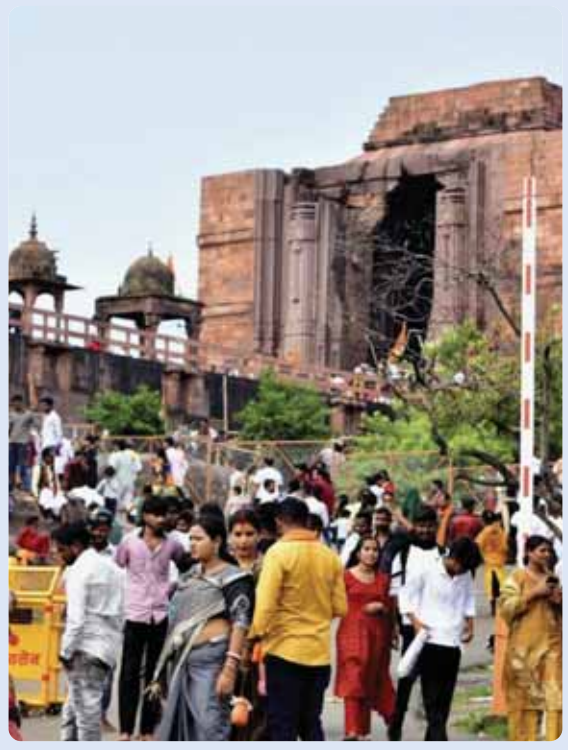

भोजपुर में बाबा भोले के दर्शन के लिए इन दिनों तकरीबन रोज ही आस्था उमड़ रही है।

बजरिया पुलिस ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

शराब पार्टी में दोस्तों ने पीटा, सिर पर पत्थर लगने से चली गई जान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बजरिया थाना क्षेत्र के विजयनगर में शराब पार्टी के बाद गाली-गलौज करना एक युवक को भारी पड़ गया। नशे में दोस्तों से विवाद के बाद चार युवकों ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान वह सिर के बल पत्थर पर गिर गया। गंभीर चोट लगने के बाद आरोपी उसे मौके पर अधमरी हालत में छोड़कर भाग गए। रात में परिजन उसे घर ले गए। लेकिन सुबह हालत बिगड़ गई। परिजन अस्पताल ले गए, यहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस की मानें तो विजयनगर का दीपक मीणा पेंटर का काम करता था। शाम में वह विजयनगर शराब दुकान के पास गली में पड़ोसी सनी रैकवार, सिद्धार्थ और सगे भाई रवि शाक्य व लखन शाक्य के साथ शराब पी रहा था। तभी साथियों के साथ उसका झगड़ा हा गया। थाना प्रभारी शिल्पा कौरव ने बताया कि रात 3 बजे स्वजन को दीपक के शराब दुकान के पास पड़े होने की सूचना मिली थी। वे उन्हें घर ले आए। सुबह हालत बिगड़ने पर अस्पताल ले गए, जहां मौत हो गई। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

सिर के पीछे चोट

इसी दौरान गाली-गलौज पर विवाद शुरू हो गया। बात बढ़ी तो चारों युवकों ने दीपक से मारपीट की। मारपीट के दौरान दीपक पीछे की ओर पत्थर पर गिर गया। उसके सिर के पिछले हिस्से व कान के पास चोट लगी, जबकि पसलियों पर भी चोट के निशान मिले। पत्थर पर भी खून के निशान पाए गए हैं। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

रिहायशी इलाकों में कमर्शियल एक्टिविटी का मामला, उपायुक्त बोले-परीक्षण के बाद अंतिम नोटिस देंगे

सीलिंग का डर...निगम ने 24 को थमाया अंतिम आदेश, कारोबारी अब सड़क पर उतरे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रिहायशी इलाकों में चल रही कारोबारी गतिविधियों के खिलाफ नगर निगम की सख्ती का असर कारोबारियों पर अब दिखाई देने लगा है। कार्रवाई और सीलिंग के डर से कई दुकानदारों ने खुद ही अपनी दुकानों पर ताले जड़ दिए हैं। कई दुकानों और मकानों के बाहर पोस्टर बैनर टांगे गए हैं कि नगर निगम के आदेश के बाद यहां व्यावसायिक गतिविधियां बंद कर दी गई हैं। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद नगर निगम लगातार रिहायशी इलाकों में कमर्शियल एक्टिविटी करने वालों को नोटिस थमा रहा है। करीब 750 से अधिक कमर्शियल एक्टिविटी करने वालों की 10 दिन की मियाद भी पूरी हो चुकी है। ऐसे में निगम उन्हें अंतिम नोटिस देने की तैयारी में है। इस कार्रवाई से खफा व्यापारी विरोध की तैयारी में हैं। वे आज रोशनपुरा चौराहे से रैली निकालेंगे। बता दें, एक अगस्त को नगर निगम की टीम रोहित नगर, बावड़िया कलां, अरेरा कॉलोनी में पहुंची थी। यहां कमर्शियल एक्टिविटी करने वालों को नोटिस थमाए और पंचनामा बनाकर कमर्शियल एक्टिविटी न करने का शपथ-पत्र भी लिया था। इसके बाद दो प्रतिष्ठानों को सील भी किया था। इससे डरे कई कारोबारियों ने पहले ही दुकानें बंद कर ली थीं। राज्य सरकार ने नगरीय विकास विभाग के एसीएस की अगुवाई में समिति बनाकर कार्रवाई पर रोक लगाने की कवायद भी की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट इसे नहीं माना। कोर्ट ने समिति भी रद्द की थी।

भोपाल. सुबह 11.30 बजे बड़ी तादाद में व्यापारी रोशनपुरा चौराहे पर एकजुट हुए। सभी ने जमकर नारेबाजी की और चौराहे को जाम कर दिया।

व्यापारी बोले-जल्द मास्टर प्लान लागू करें

सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद नगर निगम की लगातार चल रही कार्रवाई के विरोध में आज सुबह व्यापारियों ने रोशनपुरा चौराहे से रैली निकाली। उन्होंने मांग की, भोपाल का मास्टर प्लान जल्द लागू किया जाए। इसके साथ ही मिक्स लैंड यूज व्यवस्था के साथ गुजरात के मॉडल के हिसाब से अनाधिकृत निर्माण या विकास को नियमितीकरण में दायरे में लाया जाए। उन्होंने बताया कि गुजरात में अनाधिकृत विकास पर नियमितीकरण किया गया था।

अब 750 संपत्तियों को अंतिम नोटिस देने चल रही तैयारी

10 दिन के नोटिस की अवधि पूरी कर चुके मामलों में सोमवार को ही 24 घंटे का अंतिम सूचना पत्र जारी किया जाना था। लेकिन नगर निगम ने फिलहाल इसे रोक दिया है। अब पहले हर प्रकरण के आधार पर परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद अंतिम आदेश जारी कर 24 घंटे का अंतिम नोटिस दिया जाएगा। निगम अधिकारियों के अनुसार इसमें तीन दिन तक लग सकते हैं। इस बीच अगले तीन दिनों में 750 से अधिक संपत्तियों के 10 दिन के नोटिस की मियाद पूरी हो जाएगी। इसके बाद कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम के सूत्रों की मानें तो रिहायशी इलाकों में कमर्शियल एक्टिविटी करने वालों की दुकानें सील की जा सकती हैं। शीर्ष कोर्ट ने ऐसी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने के आदेश दिए हैं, इसलिए सीलिंग के बाद की कार्रवाई कोर्ट के मार्गदर्शन में होगा।

6589 को अब तक थमाए नोटिस

नगर निगम की टीम ने शहर के छह विधानसभा क्षेत्रों में दस दिन की मोहलत वाले 811 नए नोटिस जारी किए। अब तक निगम 6 हजार 589 नोटिस जारी कर चुका है। वहीं, रोहित नगर, बावड़िया कला और अरेरा कॉलोनी समेत अन्य क्षेत्रों में पहले ही 1018 नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

220 लोगों ने निगम में रखा पक्ष

नोटिस मिलने के बाद करीब 220 संपत्ति मालिकों ने निगम के सामने अपना पक्ष रखा है। कई लोगों ने व्यावसायिक बिजली मीटर होने और सड़क की चौड़ाई 18 मीटर से अधिक होने का हवाला दिया है। हालांकि निगम प्रशासन का कहना है कि सिर्फ इन आधारों पर कार्रवाई स्वतः समाप्त नहीं होगी।

24 मामलों में अंतिम आदेश जारी

आवासी क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के साथ नगर निगम अवैध निर्माणों पर भी कार्रवाई कर रहा है। निगम ने अवैध निर्माण के 85 नोटिस जारी किए हैं। इनमें 61 मामलों में व्यक्तिगत सुनवाई के नोटिस जारी हो चुके हैं। 24 मामलों में अंतिम आदेश जारी भी किए जा चुके हैं। इस बीच व्यापारियों का कहना है कि भोपाल का मास्टर प्लान बरसों से लागू नहीं होने के कारण यह स्थिति बनी है। लोगों ने रोजी-रोजगार के लिए आवासीय क्षेत्र में दुकानें खोल लीं। इसका जिम्मेदार नगर निगम भी है। निगम के अफसरों ने ही कारोबार की अनुमति भी दी। इतने रुपए लगाने के बाद व्यापार किया, अब इस पर भी संकट आ गया है।

कर रहे परीक्षण, फिर अंतिम नोटिस

नगर निगम के उपायुक्त भुवन गुप्ता का कहना है कि अधिभोग उल्लंघन के मामलों में पहले गुण और दोष के आधार पर परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद अंतिम आदेश पारित किए जा रहे हैं। इसके बाद अधिभोग उल्लंघन बंद करने के लिए अंतिम सूचना पत्र जारी किया जाएगा। तय अवधि के बाद भी उल्लंघन पाया गया तो नियम के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने खाते कराए फ्रीज

ई-एफआइआर ...24 घंटे में साइबर ठगों ने 6 खातों से उड़ाए 4.17 लाख

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पिपलानी थाना क्षेत्र में साइबर ठगों ने पिछले 24 घंटे में अलग-अलग तरीके अपनाकर 4 लाख 17 हजार रुपए से ज्यादा की रकम खातों से निकाल ली। अधिकांश शिकायतें ई-एफआईआर के जरिए पुलिस तक पहुंचीं।

नरेला शंकरी के कर्मवीर नगर निवासी जिम संचालक रोहित प्रसाद से क्रेडिट कार्ड बनाने के नाम पर जानकारी हासिल की गई। इसके बाद चार किस्तों में उनके खाते से 91 हजार 406 रुपए निकल गए। आनंद नगर निवासी कारोबारी नर्मदा विश्वकर्मा के खाते से 25 हजार रुपए निकाले गए। सुख सागर फेज-2 निवासी 67 वर्षीय घनश्याम बिछेले के खाते से जालसाजों ने 1 लाख 90 हजार 888 रुपए निकाल लिए। वहीं, आनंद नगर निवासी जय मंगल मिश्रा के साथ 11 अगस्त की शाम साइबर ठगी हुई और खाते से 42 हजार रुपए निकल गए। प्रेस कॉलोनी निवासी सिकंदर कुमार के खाते से 12 अगस्त को 25 हजार और गुप्ता कॉलोनी निवासी नितिन गुप्ता के खाते से 43 हजार 383 रुपए निकाले गए। पुलिस के अनुसार जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उन्हें फ्रीज कराने की कार्रवाई की जा रही है। मनी ट्रेल खंगाला जा रहा है।

आज से 10 नई ई-बसें, कोलार, बैरागढ़ से जुड़ेगा एमपी नगर

भोपाल में रोजमर्रा के काम के लिए सफर करने वालों के लिए राहतभरी खबर है। आज से शहर की सड़कों पर 10 नई इलेक्ट्रिक बसें दौड़ेंगी। इसके साथ ही भोपाल में ई-बसों की संख्या बढ़कर 20 हो जाएगी। नई बसों के शुरू होने से बैरागढ़, कोलार रोड और बावड़ियाकलां जैसे इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। खास यह है कि सभी ई-बसें रूट एमपी नगर से होकर गुजरेंगी। इससे नौकरी करने वाले लोगों, स्कूल-कॉलेज के छात्रों और रोजाना यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी सुविधा मिलने की उम्मीद है। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) शहर में ई-बसों का संचालन करता है। अभी 10 इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं।

ट्विशा शर्मा डेथ मिस्ट्री: चार्जशीट में रिटायर्ड जज सास पर कई आरोप

सीबीआई की चार्जशीट-सास गिरिबाला ने ट्विशा को प्रताड़ित किया, पति समर्थ को भी उकसाया

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में सीबीआइ ने रिटायर्ड जिला जज सास गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह के खिलाफ भोपाल कोर्ट में 635 पेज की चार्जशीट पेश की है। दोनों पर ट्विशा को आत्महत्या के लिए उकसाने, प्रताड़ित करने व सामान्य आशय से जुड़ी धाराओं में आरोप लगाए गए हैं। केस में 90 गवाह बनाए हैं। दहेज हत्या की जांच जारी है। चार्जशीट के मुताबिक, ट्विशा व आरोपियों के मोबाइल की डिजिटल इमेजिंग में मानसिक प्रताड़ना से जुड़ी बातें सामने आई हैं। आरोप है, समर्थ ट्विशा को गालियां देता था। गिरिबाला मानसिक रूप से प्रताड़ित करती थीं। वे समर्थ को भी इसके लिए उकसाती थीं। ट्विशा के दोनों पोस्टमार्टम में मौत का कारण एक ही है, लेकिन शरीर पर चोटों को लेकर अलग-अलग निष्कर्ष सामने आए हैं।

गिरिबाला सिंह समर्थ सिंह

जांच में यह भी उजागर

सीबीआई जांच में सामने आया कि गिरिबाला के बड़े बेटे की पूर्व पत्नी दिव्या सिंह को भी शादी के बाद मानसिक उत्पीड़न झेलना पड़ा था। बच्चा न होने और नौकरी को लेकर उन्हें लगातार प्रताड़ित किया। इससे रिश्ता टूट गया। समर्थ ने गिरिबाला से कथित तौर पर कहा था-'पहली वाली को भी आपने बांझ कहकर भगा दिया।' अप्रैल 2026 में ट्विशा गर्भवती हुई। पति के व्यवहार और मानसिक तनाव में गर्भपात का फैसला लिया। डॉक्टरों की सलाह पर मई में गर्भपात की दा लीं।सास व पति ने ताने मारे।

कोलार में एक दुकान से जब्त किए 51 लीटर घी

पूजा और हवन में इस्तेमाल घी की जांच कर रहा खाद्य विभाग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में पूजा और हवन में इस्तेमाल होने वाले घी की गुणवत्ता जांचने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने अभियान तेज किया है। कोलार की अंशिका एंटरप्राइजेज से 51 लीटर घी जब्त की है। इसके सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं। जब्त घी की कीमत 31 हजार रुपए बताई जा रही है। विभाग अब अन्य पूजा सामग्री दुकानों से सैंपल लेगा। मिलावट या मानक से कम गुणवत्ता मिलने पर संबंधित कारोबारियों पर कार्रवाई होगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बताया कि कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पूजन सामग्री बेचने वाले सभी दुकानों पर जांच की जाएगी।

पशु वसा मिला तो होगी कार्रवाई

खाद्य विभाग की लैब में घी के सैंपल की जांच में देखा जाएगा कि इसमें वनस्पति वसा, पशु वसा तो नहीं मिलाया गया है। विभाग का तर्क है कि यह घी पूजा और हवन जैसे धार्मिक काम में उपयोग किया जाता है। ऐसे में पशु की चर्बी और अन्य वसा का प्रयोग अमानक है। बताते हैं, लगातार मिल रही शिकायतों के बाद खाद्य विभाग ने पूजा सामग्री में इस्तेमाल घी पर कार्रवाई शुरू की है।

मेट्रो एंकर एनजीटी में पहुंचा मामला, 10 फीसद कचरे का ही वैज्ञानिक ढंग से निपटान, 31 को सुनवाई

इलेक्ट्रॉनिक कचरे के ढेर पर शहर, 250 कबाड़ यूनिट बेलगाम

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मोबाइल, कम्प्यूटर, टीवी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाला कचरा अब राजधानी के पर्यावरण और लोगों की सेहत के लिए खतरा बनता दिखाई दे रहा है। भोपाल में निकलने वाले ई-वेस्ट के वैज्ञानिक निपटान को लेकर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) में मामला पहुंच गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शहर में निकलने वाले ई-वेस्ट का सिर्फ 10 प्रतिशत हिस्सा ही वैज्ञानिक तरीके से नष्ट किया जा रहा है। एनजीटी प्रिंसिपल बेंच नई दिल्ली ने इसे भोपाल स्थित सेंट्रल जोन बेंच में भेजने के निर्देश दिए हैं। अब सुनवाई 31 अगस्त को भोपाल बेंच में होगी।

सवालों में कबाड़ यूनिट

याचिका में दावा किया गया कि ई-वेस्ट से फैलने वाले प्रदूषण से बच्चों की किडनी समेत अन्य अंगों पर भी खतरा पड़ सकता है। कबाड़ इकाइयों में 10 फीसदी ई-वेस्ट का ही वैज्ञानिक तरीके से निपटान किया जा रहा है। यह अलार्मिंग है।

...इसलिए खतरनाक है ई-वेस्ट

ई-वेस्ट में मोबाइल, कम्प्यूटर, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और उनके खराब हिस्से शामिल होते हैं। शिकायत में कहा गया है कि इन उपकरणों को खुले में जलाने या तोड़ने से लेड, मरकरी, कैडमियम और क्रोमियम जैसी जहरीली धातुएं निकलती हैं।

- 10% कचरे का ही वैज्ञानिक तरीके से निपटान, 90% अनाधिकृत हाथों में पहुंच रहा है कचरा।
- इसके जहरीले तत्व हवा को प्रदूषित कर सकते हैं, भूजल पर भी असर।
- मिट्टी की गुणवत्ता खराब, बच्चों के मानसिक विकास पर असर संभव।

हवा, मिट्टी और भूजल के लिए भी बड़ा खतरा

याचिकाकर्ता नितिन सक्सेना की शिकायत में दावा किया कि भोपाल में 250 से अधिक कबाड़ी इकाइयां ई-वेस्ट की अनौपचारिक प्रोसेसिंग कर रही हैं। यहां इलेक्ट्रॉनिक कचरे को वैज्ञानिक मानकों के बिना अलग किया जाता है। इससे प्रदूषण का खतरा बढ़ा।

शहर में कहां जा रहा ई-कचरा: हर साल बदलते मोबाइल, पुराने कम्प्यूटर, टीवी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में इसके सुरक्षित निपटान की व्यवस्था मजबूत होना जरूरी है। एनजीटी में तय होगा कि ई-वेस्ट प्रबंधन की वास्तविक स्थिति क्या है और जिम्मेदारी किसकी तय होगी।

कानूनों के उल्लंघन का आरोप: मामले में ई-वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016 (संशोधित 2022/2023), सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स, 2016 और पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। अधिकृत चैनल से ई-वेस्ट संग्रहण नहीं हो रहा। अनाधिकृत कबाड़ी इकाइयों में प्रोसेसिंग हो रही है।

एनजीटी से कार्रवाई की मांग: याचिकाकर्ता ने एनजीटी से मांग की है सीपीसीबी, एमपीपीसीबी, पर्यावरण मंत्रालय व प्रशासन की संयुक्त समिति बना अनाधिकृत ई-वेस्ट प्रोसेसिंग इकाइयों की पहचान-कार्रवाई हो। बंद पड़े ई-वेस्ट क्लीनिक फिर शुरू करें।

13 जिलों के 29 टोल प्लाजा के आंकड़ों में सामने आई तस्वीर, एक महीने में एनएच के टोल कलेक्शन में भी 1.66 करोड़ की कमी

ईंधन बचाने की अपील का असर! मप्र के हाईवे पर कम हुए निजी वाहन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वैश्विक स्तर पर होर्मुज से तेल टैंकरों की आवाजाही पर जारी पाबंदियों के बीच ईंधन बचाने की चिंता बनी हुई है। ऐसे समय में मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निजी वाहनों का इस्तेमाल कम करने की अपील का असर हाईवे के ट्रैफिक पर दिखाई देने लगा है। प्रदेश के नेशनल हाईवे पर कार, जीप और वैन की आवाजाही में कमी दर्ज की गई है। 13 जिलों के 29 टोल प्लाजा के आंकड़ों की पड़ताल में सामने आया कि प्रधानमंत्री की अपील के बाद महज 10 दिनों में निजी वाहनों की आवाजाही 6.7 प्रतिशत तक घट गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मई को देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने की अपील की थी। उन्होंने लोगों से जहां संभव हो, निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक परिवहन और कार-पूलिंग को प्राथमिकता देने का आग्रह किया था।

पड़ताल के मुताबिक 1 से 10 मई के बीच संबंधित 29 टोल प्लाजा से 11 लाख 14 हजार 715 कार और जीप गुजरी थीं। 11 से 20 मई के बीच यह संख्या घटकर 10 लाख 40 हजार 86 रह गई। यानी महज 10 दिनों में 74,629 निजी वाहन कम हुए। कुल मिलाकर आवाजाही में 6.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

हालांकि, ट्रैफिक में इस कमी को पूरी तरह प्रधानमंत्री की अपील का परिणाम मानना उचित नहीं होगा। मौसम, यात्रा की जरूरत, ईंधन की कीमत और अन्य व्यवहारिक कारण भी वाहन आवाजाही को प्रभावित कर सकते हैं। फिर भी आंकड़े निजी वाहनों के इस्तेमाल में कमी का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं।

सागर का किशनपुरा टोल रहा अपवाद

29 टोल प्लाजा में सागर का किशनपुरा टोल ऐसा रहा, जहां वाहनों की आवाजाही घटने के बजाय बढ़ गई। यहां 1 से 10 मई के दौरान 13,384 वाहन गुजरे थे। 11 से 20 मई के बीच यह संख्या 436 बढ़कर 13,820 हो गई। यानी यहां निजी वाहनों की आवाजाही 3.3 प्रतिशत बढ़ी। पड़ताल में रायसेन और जबलपुर के चार-चार, हरदा और सिवनी के तीन-तीन, जबकि सागर, गुना, सीहोर, राजगढ़, छिंदवाड़ा और नरसिंहपुर के दो-दो टोल शामिल किए गए। विदिशा, बैतूल और बालाघाट के एक-एक टोल का आंकड़ा भी इसमें शामिल रहा।

एनएच के टोल कलेक्शन पर भी पड़ा असर

इंडियन हाईवेज मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के आंकड़े भी हाईवे पर ट्रैफिक में कमी की ओर इशारा करते हैं। प्रदेश के 73 टोल प्लाजा से मई में 74.22 लाख वाहन गुजरे और फास्टैग के जरिए 40.57 करोड़ रुपये का टोल कलेक्शन हुआ। जून में वाहनों की संख्या 1.43 लाख घटकर 72.79 लाख रह गई। यानी वाहन आवाजाही 1.9 प्रतिशत कम हुई, जबकि टोल कलेक्शन 4.1 प्रतिशत घटकर 38.91 करोड़ रुपये रह गया। एक महीने में टोल आय में 1.66 करोड़ रुपये की कमी आई।

राज्य की सड़कों पर जुलाई में सबसे ज्यादा गिरावट

मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम के आंकड़े निजी वाहनों की आवाजाही में और बड़ी गिरावट दिखाते हैं। मई में 49 टोल से 12.87 लाख कार, जीप और वैन गुजरी थीं। जून में 52 टोल से यह संख्या 11.91 लाख और जुलाई में 44 टोल से सिर्फ 9.67 लाख रह गई। मई से जुलाई के बीच निजी वाहनों की आवाजाही 24.9 प्रतिशत घट गई। इसी अवधि में टोल वसूली भी 1624.57 लाख रुपये से घटकर 967.18 लाख रुपये रह गई। यानी तीन महीनों में टोल आय में करीब 40.5 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। आंकड़े संकेत दे रहे हैं कि ईंधन बचाने की अपील के साथ लोगों के यात्रा व्यवहार में भी बदलाव आया है।

दिल्ली में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रखा औद्योगिक विकास का विजन

9 हजार एकड़ में बनेंगे 11 नए इंडस्ट्रियल पार्क हजारों लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक और निवेश केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में राज्य सरकार ने एक और बड़ा कदम आगे बढ़ाया है। नई दिल्ली में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट की तीसरी एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की औद्योगिक संभावनाओं, निवेश-अनुकूल नीतियों और आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना का खाका सामने रखा। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के सहयोग से विकसित हो रही परियोजनाओं के साथ राज्य के औद्योगिक विकास की योजनाओं की जानकारी दी।

बैठक में केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और नीति आयोग के उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी समेत विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मध्यप्रदेश ने भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत पहले चरण के पहले दौर में 11 औद्योगिक पार्कों के प्रस्ताव केंद्र सरकार के समक्ष रखे हैं। इन परियोजनाओं के लिए कुल 9,047.08 एकड़ क्षेत्र प्रस्तावित किया गया है, जबकि इनकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की कुल लागत 8,144.35 करोड़ रुपये आंकी गई है। सरकार का लक्ष्य इन पार्कों को आधुनिक और निवेश-तैयार बनाने का है। यहां उद्योगों को प्लग-एंड-प्ले सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि कंपनियों को बुनियादी ढांचे के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े और निवेश को तेजी से जमीन पर उतारा जा सके।

टेक्सटाइल से लेकर सेमीकंडक्टर और ऑटोमोबाइल तक उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

उज्जैन से रीवा तक औद्योगिक विस्तार

प्रस्तावित 11 औद्योगिक पार्कों को प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में विकसित करने की योजना है। इनमें अवंतिका इंडस्ट्रियल सेंटर उज्जैन, भेंसोला धार, पिपलरावां-पालीकालन देवास-शाजापुर, रतलाम-पलसोड़ी, आष्टा सीहोर, मसवासी ग्रांट सागर, चैनपुरा गुना, मोहना ग्वालियर, धरमपुरा जबलपुर, सिमरा कटनी और शिवसागर रीवा शामिल हैं। सरकार का जोर केवल कुछ बड़े शहरों तक औद्योगिक गतिविधियों को सीमित रखने के बजाय प्रदेश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में संतुलित औद्योगिक विकास पर है। इससे स्थानीय स्तर पर निवेश के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

टेक्सटाइल से सेमीकंडक्टर उद्योगों को बढ़ावा

धार के भेंसोला में प्रस्तावित औद्योगिक पार्क को टेक्सटाइल पार्क के रूप में विकसित करने की योजना है। यह भारत के सबसे बड़े पीएम मित्र पार्क से जुड़कर वस्त्र क्षेत्र की पूरी मूल्य श्रृंखला को मजबूत करेगा। इसके अलावा प्रस्तावित औद्योगिक पार्कों में फार्मा, ऑटोमोबाइल, अक्षय ऊर्जा उपकरण, सेमीकंडक्टर, सूचना प्रौद्योगिकी और आईटी आधारित सेवाओं जैसे क्षेत्रों को बढ़ावा देने की योजना है। सरकार का मानना है कि इससे बड़े निवेश आकर्षित होने के साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के व्यापक अवसर पैदा होंगे। औद्योगिक विकास के साथ राज्य सरकार महिला कर्मचारियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दे रही है। औद्योगिक क्षेत्रों में डे-केयर सेंटर, सीसीटीवी आधारित सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, कैंटीन और जरूरी सुविधाओं से लैस छात्रावास विकसित किए जा रहे हैं। सरकार का उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना और उन्हें सुरक्षित व अनुकूल कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है।

कॉरिडोर और नोड्स से निवेश को मिलेगी नई गति

मध्यप्रदेश में विकसित किए जा रहे औद्योगिक कॉरिडोर और औद्योगिक नोड्स को राज्य के आर्थिक विस्तार की बड़ी कड़ी माना जा रहा है। केंद्र और राज्य के समन्वय से तैयार हो रही परियोजनाओं के जरिए निवेश को तेजी से जमीन पर उतारने की कोशिश है। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट किया कि मध्यप्रदेश आधुनिक अधोसंरचना, अनुकूल नीतियों और निवेश-तैयार औद्योगिक क्षेत्रों के माध्यम से देश के प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में अपनी पहचान मजबूत करना चाहता है। प्रस्तावित 11 पार्क इस दिशा में राज्य के औद्योगिक विस्तार को नई गति देने वाले साबित हो सकते हैं।

इंदौर में 100 करोड़ की लागत से बना ISBT सूना

एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं लेकिन निर्णय के फेर में फंसा संचालन

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर शहर में यातायात का दबाव कम करने और अंतरराज्यीय बस सेवाओं को व्यवस्थित करने के लिए करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया कुमेड़ी आईएसबीटी यानी अंतरराज्यीय बस टर्मिनल करीब दो साल बाद भी यात्रियों के इंतजार में है। एमआर-10 पर एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित वातानुकूलित टर्मिनल तैयार है, सुविधाएं मौजूद हैं और संचालन के लिए एजेंसी भी तय हो चुकी है। बस संचालकों के साथ दो बार बैठक हो चुकी है, लेकिन संचालन पर अंतिम निर्णय नहीं होने से प्रक्रिया अटकी हुई है। जिम्मेदारों द्वारा निर्णय नहीं लिए जाने से करोड़ों रुपए खर्च कर तैयार की गई सुविधा यात्रियों के उपयोग में नहीं आ पा रही है।

इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा कुमेड़ी में करीब 21 एकड़ क्षेत्र में आईएसबीटी विकसित किया गया है। लंबे समय तक संचालन एजेंसी नहीं मिलने से प्रक्रिया लटकी रही। पांच बार टेंडर प्रक्रिया के बाद पुणे की बीवीजी कंपनी को संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी सौंपी गई। करीब तीन महीने पहले एजेंसी तय होने के बावजूद संचालन शुरू नहीं हो सका। बीते माह कलेक्टर शिवम वर्मा और आइडीए सीईओ परीक्षित झाड़े ने आईएसबीटी का दौरा किया था। इस दौरान सीईओ झाड़े ने कहा था कि संचालन शुरू करने की कवायद चल रही है और जल्द ही संचालन शुरू कर दिया जाएगा। हालांकि, संचालन एजेंसी बीवीजी ने आईडीए के साथ संचालन को लेकर एग्रीमेंट कर लिया है और अब आईएसबीटी में व्यवस्थाएं जुटाने का कार्य कर रही है।

यात्रियों को मिलेंगी कई सुविधाएं

आईएसबीटी में यात्रियों के लिए वातानुकूलित प्रतीक्षालय,32 बोर्डिंग-डिबोर्डिंग-बे और 14 एसी टिकट काउंटर बनाए गए हैं। दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए बड़ी पार्किंग के साथ ऑटो और ई-रिक्शा के लिए भी व्यवस्था की गई है। बस संचालन शुरू होने पर यात्रियों को एक ही परिसर में टिकट, प्रतीक्षा और पार्किंग जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी। आईएसबीटीसे प्रतिदिन करीब 1440 बसों के संचालन की क्षमता रखी गई है। राजस्थान,गुजरात और दिल्ली के लंबे रूटों की बसों को यहां स्थानांतरित करने की योजना है। वहीं उज्जैन, रतलाम, आगर-मालवा आदि शहरों के लिए सरवटे से संचालित बसें भी आईएसबीटी होते हुए चल सकेंगी।

बालाघाट में मीजल्स एवं मलेरिया से प्रभावित क्षेत्रों की राज्य स्तरीय दल ने की बड़ी समीक्षा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बालाघाट जिले के प्रभावित क्षेत्रों में मीजल्स एवं मलेरिया के प्रकरणों आयुक्त स्वास्थ्य श्री धनराजू एस की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय राज्य स्तरीय दल ने 13 से 15 अगस्त 2026 तक जिले का सघन भ्रमण कर जांच की। राज्य स्तरीय दल ने प्रभावित ग्रामों का दौरा कर स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लिया और मृत्यु के प्रकरणों के कारणों की विस्तृत समीक्षा की। प्रभावित क्षेत्रों में रोग नियंत्रण, जांच, उपचार, सर्वेलेंस एवं टीकाकरण की गतिविधियों को तेज करते हुए सभी संबंधित विभागों को समन्वित एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति की विशेष निगरानी तथा प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। दल में उपसंचालक आईडीएसपी डॉ. आश्विन भागवत, उपसंचालक/राज्य कार्यक्रम अधिकारी व्ही.बीडीसीपी डॉ. हिमांशु जायसवार, उपसंचालक असंचारी रोग नियंत्रण डॉ. आशीष सक्सेना, और डॉ. सौरभ पुरोहित, उपसंचालक टीकाकरण शामिल रहे।

मास कैंप आयोजित कर जांच और वैक्टर नियंत्रण की कार्यवाही

राज्य स्तरीय दल द्वारा 14 अगस्त को प्रभावित ग्रामों का भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया गया। बालाघाट जिले के बिरसा विकासखण्ड जिले का सर्वाधिक एन्डेमिक ब्लॉक है। पूर्व वर्षों के ट्रेंड के अनुसार जिले में जुलाई माह की शुरुआत से ही मलेरिया एवं बुखार के प्रकरणों में वृद्धि देखी जाती है। 17 जुलाई 2026 से बिरसा विकासखण्ड के तीन ग्राम बोंदारी, कोरका एवं कुंडेकासा में बुखार के रोगियों की संख्या में वृद्धि की सूचना प्राप्त हुई थी। ये सभी प्रभावित ग्राम सोनगुड्डा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत संचालित 05 उप स्वास्थ्य केन्द्रों के क्षेत्र में आते हैं। इसकी सूचना जिले को प्राप्त होने के बाद स्थानीय स्तर पर मास कैंप आयोजित कर जांच तथा वैक्टर नियंत्रण की कार्यवाही प्रारंभ की गई। 1 जुलाई से 14 अगस्त 2026 के मध्य विभिन्न ग्रामों में कुल 32 हजार 400 संभावित बुखार के रोगियों की जांच की गई।

ग्वालियर और जबलपुर बनेंगे मेट्रोपॉलिटन रीजन, तैयार होगा आधुनिक अर्बन क्लस्टर

14 जिलों के 2,285 गांवों की बदलेगी तस्वीर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार राज्य के शहरी ढांचे को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। भोपाल, इंदौर और उज्जैन की तर्ज पर अब सरकार ग्वालियर और जबलपुर को भी मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग अथॉरिटीके अंतर्गत लाने की योजना पर काम कर रही है। इस दूरगामी निर्णय से दोनों प्रमुख शहरों और उनके आसपास के अंचलों का विकास एकीकृत व योजनाबद्ध तरीके से किया जा सकेगा, जिससे निवेश के नए रास्ते खुलेंगे और रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

प्रस्तावित योजना के तहत ग्वालियर और जबलपुर से सटे कस्बों और गांवों को मेट्रोपॉलिटन रीजन में शामिल कर बड़े अर्बन क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह मॉडल अनियंत्रित शहरी फैलाव को रोकने और भविष्य की जरूरतों के अनुकूल बुनियादी ढाँचा तैयार करने में बेहद कारगर सिद्ध होगा।

प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी% के प्रशासनिक ढांचे को मजबूती प्रदान करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अथॉरिटी के संचालन हेतु करीब 500 नए पद मंजूर किए गए हैं, जिन पर जल्द ही भर्ती प्रक्रिया आरंभ की जाएगी।

ग्वालियर और जबलपुर मेट्रोपॉलिटन का दायरा

ग्वालियर मेट्रोपॉलिटन- शुरुआती प्रस्तावों के अनुसार ग्वालियर के आसपास के जिलों को मिलाकर लगभग 777 गांवों को जोड़ने का खाका तैयार किया गया था, जिसे अब नए शहरी अधिनियम के तहत नए सिरे से पुनर्गठित किया जा रहा है। ग्वालियर संभाग में मुख्य रूप से ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर और दतिया जिले आते हैं। जबलपुर मेट्रोपॉलिटन- जबलपुर जिले में कुल 1,508 गांव मौजूद हैं, लेकिन मेट्रोपॉलिटन रीजन में मुख्य नगर के साथ केवल निकटतम व चुनिंदा ग्रामीण क्षेत्रों को ही जोड़ा जाएगा। जबलपुर संभाग के अंतर्गत कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडोरी और पांढुर्ना जिले आते हैं। इसकी अंतिम सीमा तय करने के लिए विस्तृत अधिसूचना जल्द जारी होगी।

इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष का 7 दिन का अल्टीमेटम

खराब सड़के ठीक नहीं हुई तो कांग्रेस करेगी चक्काजाम

इंदौर, दोपहर मेट्रो

इंदौर में खराब और गड्?ढे वाली सड़कों को लेकर इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष ने 7 दिन का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने कहा है कि अगर 7 दिन में इन सड़कों को ठीक नहीं किया जाता है तो कांग्रेस इन सड़कों पर उतरेगी और चक्काजाम करेगी, ताकि कुंभकर्ण की नींद सो रहे प्रशासन को जगाएगी।

दरअसल, इंदौर शहर में कई जगह सड़कों की हालत खस्ता हो गई है। सर्विस रोड की सड़के भी खराब है। इन्हीं सड़कों की हालत को लेकर इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने मैदान संभाला है। उन्होंने कहा कि इंदौर जैसे महानगर में, जिसे हम आधुनिक शहर मानते है।

वहां पर सड़कों की इतनी दुर्गति होना और गड्ढों को कारण लोगों की जान जाना। इंदौर शहर पर कंलक जैसा मानता हूं। जब कोई भी ओवर ब्रिज, ब्रिज बनाता है तो ठेकेदार की जिम्मेदारी रहती है और इंजीनियर, कंसलटेंट और संबंधित जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी रहती है कि वे वहां की सर्विस लेन को दुरुस्त करके चले, लेकिन भ्रष्टाचार और भाजपा की जुगलबंदी चल रही है। इसके कारण ये दुर्गति इंदौर शहर की हो रही है।

मेट्रो एंकर — एक सप्ताह के अंदर फिर शुरू होगी हेरिटेज ट्रेन

पातालपानी-कालाकुंड की पहाड़ियों का नजारा देख सकेंगे यात्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पातालपानी-कालाकुंड के बीच चलने वाली हेरिटेज ट्रेन के लिए अच्छी खबर है। इस ट्रेन के 12 कोच, जिनकी राजस्थान के बीकानेर में मरम्मत की गई थी, रविवार को लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन पहुंच गए हैं। अब इन्हें पातालपानी पहुंचाया जाएगा। उम्मीद है कि एक सप्ताह के भीतर हेरिटेज ट्रेन यात्रियों को पहाड़ियों की सैर कराने के लिए रवाना होगी।

पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के डीआरएम अश्विनी कुमार के अनुसार लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से हेरिटेज ट्रेन के कोच को महू होते हुए पातालपानी तक ले जाया जाएगा। इसके बाद क्रेन की मदद से इन्हें ट्रैक पर उतारा जाएगा। इंजन के साथ सभी कोच का अलाइनमेंट किया जाएगा। ट्रायल रन के दौरान रैक, ट्रैक और संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं के साथ सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। यदि सब कुछ सामान्य रहा तो जल्द ही ट्रेन का संचालन शुरू किया जाएगा।

पातालपानी से कालाकुंड का लगभग 9.5 से 10 किलोमीटर लंबा मीटरगेज रेलवे ट्रैक 155 साल से अधिक पुराना है। इसकी योजना 19वीं सदी में इंदौर रियासत के महाराजा तुकोजी राव होलकर द्वितीय ने बनाई थी। यह ऐतिहासिक लाइन 1878 में होलकर स्टेट रेलवे के तहत पूरी हुई थी। महाराजा ने 1870 में इस रेल लाइन के निर्माण की पहल की थी।

बाद में यह खंड राजपूताना-मालवा रेलवे का हिस्सा बन गया था। यह खंड ऐतिहासिक डॉ. अंबेडकर नगर (महू)-खंडवा मीटर गेज मार्ग का एक हिस्सा है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इसे ब्राडगेज में बदलना संभव नहीं था। रेलवे ने 2018 में इस हिस्से को संरक्षित कर हेरिटेज ट्रेन का संचालन शुरू किया। पहली हेरिटेज ट्रेन 25 दिसंबर 2018 को चलाई गई थी।

किराया और कोच| पिछले साल ट्रेन में दो वातानुकूलित चेयरकार सी-1, सी-2 और चार सामान्य चेयरकार डी-1, डी-2, डी-3, डी-4 शामिल थीं। एक तरफ की यात्रा के लिए वातानुकूलित चेयरकार का किराया 265 रुपये और सामान्य चेयरकार का किराया 20 रुपये प्रति टिकट निर्धारित था।

चार सुरंगें और 24 मोड़| पातालपानी से कालाकुंड का ट्रैक रोमांच से भरा है। इसमें चार सुरंगें, करीब 24 मोड़, छह बड़े और 35 छोटे पुल हैं। एक तरफ पहाड़ और घने जंगल हैं, जबकि दूसरी तरफ घाटियां और झरने इस यात्रा को खास बनाते हैं। वर्षा के मौसम में पातालपानी का झरना और आसपास की हरियाली खूबसूरती को और बढ़ा देते हैं।

गत वर्ष 26 जुलाई से 16 नवंबर तक चली थी ट्रेन| पिछले साल हेरिटेज ट्रेन का संचालन 26 जुलाई से 16 नवंबर तक हर शुक्रवार से रविवार तक किया गया था। इस साल कोच की मरम्मत में समय लगने के कारण इसका संचालन देरी से शुरू हो रहा है।

राष्ट्र प्रथम की पुकार

लालकिले की प्राचीर से निकली आवाज केवल सत्ता का वक्तव्य नहीं होती। वह उस भारत से संवाद होती है, जो अतीत की स्मृतियों, वर्तमान की चुनौतियों और भविष्य के सपनों के बीच खड़ा है। 80वें स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को इसी व्यापक संदर्भ में समझना होगा। 'राष्ट्र प्रथम', आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक आत्मविश्वास, राष्ट्रीय सुरक्षा और विकसित भारत-ये केवल भाषण के शब्द नहीं, बल्कि एक राजनीतिक दृष्टि के सूत्र हैं। 2014 में 'प्रधान सेवक' के रूप में सामने आए मोदी ने जनभागीदारी को राष्ट्र निर्माण की शक्ति बताया था। इसके बाद स्वच्छता, जनधन, आत्मनिर्भरता, अमृतकाल और 2047 तक विकसित भारत जैसे विचार इस यात्रा से जुड़ते गए। इनके केंद्र में एक ही आग्रह रहा कि भारत अपने भविष्य का निर्धारण स्वयं करने की क्षमता विकसित करे। इसी संदर्भ में 'दिमागी नक्सली' जैसे शब्द बहस को संवेदनशील बना देते हैं। नक्सलवाद ने दशकों तक हिंसा के जरिए लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती दी और उसका सबसे अधिक नुकसान उन्हीं गरीब तथा आदिवासी परिवारों को हुआ, जिनके अधिकारों के नाम पर संघर्ष का दावा किया गया। हिंसक विचारधारा का प्रतिरोध आवश्यक है, लेकिन लोकतांत्रिक असहमति और हिंसक राजनीति के बीच अंतर बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। हर सरकार का आलोचक राष्ट्रविरोधी नहीं होता। पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, विपक्षी नेता या किसी नीति का विरोध करने वाले व्यक्ति को केवल विचारों के आधार पर हिंसक विचारधारा से जोड़ देना लोकतंत्र को कमजोर करेगा। सत्ता से सवाल करना लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी जीवंतता है। प्रधानमंत्री के राष्ट्रवाद को केवल चुनावी नारे के रूप में देखना भी अधूरा होगा। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता, तकनीकी क्षमता, सांस्कृतिक गौरव और नागरिक भागीदारी का विचार जुड़ा है। संघ की सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की अवधारणा में भी भारत केवल राजनीतिक भूभाग नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक निरंतरता है। भारत को ऐसा आत्मविश्वास चाहिए जो अपनी संस्कृति पर गर्व करे, आधुनिकता अपनाए और दुनिया से संवाद करे, लेकिन हिंसा के सामने न झुके। राष्ट्रवाद तभी महान है, जब वह देश को मजबूत करने के साथ नागरिक की स्वतंत्रता और गरिमा की भी रक्षा करे।

योजनाओं की भरमार, फिर भी लगातार बैगा बच्चों की मौत पर उठते सवाल

राज कुमार सिन्हा
स्तंभकार

मध्यप्रदेश देश के सबसे बड़े आदिवासी राज्यों में है। 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की लगभग 21.09 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजाति से आती है। राज्य की बड़ी आदिवासी आबादी ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहती है, जहां गरीबी, रोजगार की अस्थिरता, शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच की समस्या आज भी गंभीर है। ऐसे में बालाघाट जिले के बैगा बहुल इलाकों से अगस्त 2026 में बच्चों की लगातार मौतों की खबर केवल एक स्थानीय स्वास्थ्य घटना नहीं है। यह मध्यप्रदेश की आदिवासी स्वास्थ्य और पोषण नीतियों की जमीनी सफलता पर बड़ा सवाल है।

बिरसा विकासखंड के कोण्डेकसा, बोंदारी, मछुल्दा, कोरका और आसपास के बैगा बहुल गांवों में बुखार तथा अन्य गंभीर लक्षणों के बाद बच्चों की मौत की खबर सामने आई है। सरकारी स्तर पर मृत बच्चों की संख्या आठ बताई गई है, जबकि नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने 19 बच्चों की मौत का आरोप लगाया है। इसलिए अंतिम मृत्यु संख्या और बीमारी के कारणों का निर्धारण स्वतंत्र चिकित्सकीय जांच के बाद ही किया जाना चाहिए। कुछ रिपोर्टों में बुखार, चकत्ते तथा कुछ मामलों में किडनी से संबंधित गंभीर लक्षणों का उल्लेख है। लेकिन एक बात इससे अलग और कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि इन मौतों को केवल किसी एक संक्रामक बीमारी या अचानक फैली महामारी के रूप में देखकर मामला समाप्त नहीं किया जा सकता है। यदि बच्चे पहले से कुपोषित, एनीमिया से पीड़ित अथवा कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले हैं, तो सामान्य संक्रमण भी उनके लिए जानलेवा बन सकता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 (2019-21) के अनुसार मध्यप्रदेश में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में 35.7 प्रतिशत बौनापन, 19 प्रतिशत दुर्बलता, 33 प्रतिशत कम वजन और 6.5 प्रतिशत गंभीर दुर्बलता दर्ज की गई थी। लेकिन आदिवासी बच्चों की स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक रही है। जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण -5 आधारित आंकड़े बताते हैं कि देश में पांच वर्ष से कम उम्र के अनुसूचित जनजाति के बच्चों में बौनापन लगभग 40.9 प्रतिशत था। इसका अर्थ है कि आदिवासी बच्चों का पोषण संकट सामान्य आबादी के संकट से अलग और अधिक गंभीर सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से जुड़ा हुआ है। बालाघाट के बैगा समुदाय पर हुए वैज्ञानिक अध्ययन इस संकट की स्थानीय तस्वीर और स्पष्ट करता है। बैरहर, बालाघाट में 436 परिवारों के 1,197 लोगों पर किए गए सामुदायिक अध्ययन में पाया गया कि पूर्व-स्कूली बैगा बच्चों में दुर्बलता 42.3 प्रतिशत थी, जबकि उसी संदर्भ में ग्रामीण मध्यप्रदेश के बच्चों में यह लगभग 23.8 प्रतिशत थी। वयस्कों में भी क्रोनिक एनर्जी डिफीसिएन्सी अत्यधिक थी,पुरुषों में 55.8 प्रतिशत और महिलाओं में 62.9 प्रतिशत। अध्ययन में अनाज और मोटे अनाज के अलावा अन्य खाद्य पदार्थों तथा सूक्ष्म पोषक तत्वों का सेवन अनुशंसित मात्रा से कम पाया गया।

इससे स्पष्ट है कि बैगा समुदाय का कुपोषण कोई नई घटना नहीं है। वैज्ञानिक अध्ययन वर्षों पहले चेतावनी दे चुके हैं कि पोषण संबंधी योजनाओं के बावजूद समस्या गंभीर बनी हुई है। बैगा बच्चों के मामले में कुपोषण को केवल इस आधार पर नहीं समझा जा सकता है कि परिवार को पर्याप्त अनाज मिला या नहीं।

यदि बच्चे को चावल, मक्का अथवा अन्य अनाज पर्याप्त मात्रा में मिल भी जाए, लेकिन उसके भोजन में दाल, दूध, तेल, अंडा, फल, हरी सब्जियां और पशु-आधारित प्रोटीन की पर्याप्त उपलब्धता न हो तो वह कैलोरी तो प्राप्त कर सकता है, लेकिन उसका शरीर आवश्यक प्रोटीन, आयरन, विटामिन और अन्य माइक्रोन्यूट्रिएंट से वंचित रह सकता है। यही वह बिंदु है जहां सरकारी पोषण नीति की परीक्षा होती है। 2019 के एक अध्ययन ने बालाघाट के बैगा बच्चों के कुपोषण के सामाजिक कारणों की पड़ताल करते हुए पाया कि गरीबी, सार्वजनिक सेवाओं से असंतोष, सरकारी कर्मचारियों की उदासीनता और सेवाओं का कम उपयोग समस्या को बढ़ाते हैं। शोधकर्ताओं ने केवल पोषण पूरक देने के बजाय समग्र दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत बताई थी। अर्थात समस्या बच्चे की थाली से शुरू होकर स्वास्थ्य केंद्र, आंगनवाड़ी, स्कूल, सड़क, रोजगार, पानी और सरकारी तंत्र तक जाती है। विडंबना यह है कि मध्यप्रदेश में बैगा सहित विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के लिए योजनाओं की कमी नहीं है।

राज्य की आहार अनुदान योजना 2017 से बैगा, भारिया और सहरिया जैसे विशेष पिछड़ी जनजातीय परिवारों को कुपोषण से मुक्ति के उद्देश्य से संचालित है। सरकारी पोर्टल पर भी इसका घोषित उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को कुपोषण से मुक्त करना बताया गया है। इसके अलावा आंगनवाड़ी और समेकित बाल विकास योजना (आईसीडीएस), पोषण अभियान, पोषण पुनर्वास केंद्र, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, आयरन-फोलिक एसिड, टीकाकरण और अन्य योजनाएं चल रही हैं।

सरकार ने पीवीटीजी बस्तियों के लिए आवास, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और आजीविका को एक साथ जोड़ने का निर्णय लिया है। लेकिन बालाघाट की घटना यह पूछने को मजबूर करती है कि क्या योजनाओं की सूची लंबी होना और उनका वास्तविक लाभ अंतिम परिवार तक पहुंचना एक ही बात है?

वर्तमान मौतों के बाद केवल स्वास्थ्य शिविर लगाना पर्याप्त नहीं होगा। सबसे पहले पिछले दो-तीन महीनों में बैगा बहुल गांवों में हुई सभी बाल मृत्यु का स्वतंत्र मेडिकल ऑडिट होना चाहिए। प्रत्येक बच्चे की मृत्यु के कारण, बीमारी की अवधि, उपचार कहां मिला, अस्पताल तक पहुंचने में कितना समय लगा, पोषण स्थिति क्या थी, हीमोग्लोबिन कितना था, टीकाकरण की स्थिति क्या थी और परिवार को आंगनवाड़ी तथा स्वास्थ्य सेवाएं कितनी नियमित मिलीं, इन सभी बिंदुओं की जांच होनी चाहिए। इसके साथ ही प्रत्येक बैगा बस्ती में मासिक बाल स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली बनाई जानी चाहिए। इसमें केवल वजन और ऊंचाई नहीं, बल्कि हीमोग्लोबिन और एनीमिया, गंभीर कुपोषण,संक्रमण, दस्त और बुखार, टीकाकरण, पानी और स्वच्छता, भोजन की विविधता, मातृ पोषण, तथा स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंच का नियमित रिकॉर्ड तैयार किया जाना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार के सामने अब सबसे महत्वपूर्ण सवाल बजट या नई योजना घोषित करने का नहीं, बल्कि मौजूदा योजनाओं की डिलीवरी और जवाबदेही का है। आहार अनुदान योजना यदि कुपोषण समाप्त करने के उद्देश्य से चल रही है तो सरकार को सार्वजनिक करना चाहिए कि बालाघाट के बैगा परिवारों में कितने पात्र परिवारों को इसका नियमित लाभ मिल रहा है। पीएम-जनमन यदि स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की कमी दूर करने के लिए है तो बैगा बस्तियों में कितने स्वास्थ्य उपकेंद्र, सड़क, पेयजल, आवास और आजीविका संबंधी कार्य वास्तव में पूरे हुए हैं, इसकी ग्रामवार जानकारी सामने आनी चाहिए।

इसी तरह आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार की नियमितता, गुणवत्ता और वास्तविक उपस्थिति का सामाजिक ऑडिट होना चाहिए। सरकारी योजनाओं की सफलता का पैमाना यह नहीं होना चाहिए कि कितने करोड़ रुपये खर्च हुए या कितने हितग्राहियों के खाते में पैसा भेजा गया। असली पैमाना यह है कि बैगा बस्ती का बच्चा स्वस्थ है या नहीं। मृत्यु की संख्या को लेकर सरकारी और विपक्षी दावों में अंतर है। बीमारी के कारण को लेकर भी अभी अंतिम निष्कर्ष नहीं आया है। इसलिए राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बजाय स्वतंत्र चिकित्सकीय जांच जरूरी है।

राज्य सरकार को विशेषज्ञ चिकित्सकों, बाल रोग विशेषज्ञों, महामारी विशेषज्ञों, पोषण विशेषज्ञों और जनजातीय स्वास्थ्य पर काम करने वाले स्वतंत्र संस्थानों की संयुक्त टीम बनानी चाहिए। यह जांच केवल वर्तमान मौतों तक सीमित न हो। पिछले वर्षों में बैगा बहुल क्षेत्रों में बाल मृत्यु, कुपोषण, एनीमिया, मातृ मृत्यु और संक्रामक रोगों के आंकड़ों का भी अध्ययन किया जाए। यदि किसी बीमारी का प्रकोप है तो उसका तत्काल पता लगना जरूरी है। लेकिन यदि मौतों के पीछे कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की संरचनात्मक कमजोरी भी है तो उसे स्वीकार करना और सुधारना उससे भी ज्यादा जरूरी है। मध्यप्रदेश में आदिवासी कल्याण की नीति लंबे समय से अनेक योजनाओं में विभाजित रही है। एक योजना पोषण देती है, दूसरी आवास, तीसरी सड़क, चौथी रोजगार और पांचवीं स्वास्थ्य सेवा। लेकिन बैगा परिवार का जीवन विभागों में विभाजित नहीं है। एक ही परिवार में मां कुपोषित हो सकती है, बच्चा एनीमिक हो सकता है, घर में सुरक्षित पानी नहीं हो सकता, रोजगार मौसमी हो सकता है और स्वास्थ्य केंद्र दूर हो सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत ,,,,आस्था की भीड़ के लिए सुरक्षा की कैसी तैयारी !

कुमार कृष्णन
स्तंभकार

सावन का तीसरा सोमवार था। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए लखीसराय के प्रसिद्ध अशोक धाम मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा था। सुबह-सुबह मंदिर की ओर जाने वाले रास्ते आस्था और उम्मीद से भरे थे। लेकिन कुछ ही क्षणों में वही भीड़ चीख-पुकार में बदल गई। लोग भगवान तक पहुंचने के लिए निकले थे, मौत के मुंह में पहुंच गए। लखीसराय के इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर, अशोक धाम में सोमवार सुबह हुई भगदड़ ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि हमारे धार्मिक स्थलों पर आस्था की भीड़ के लिए सुरक्षा की तैयारी कितनी गंभीर है। शुरुआती खबरों में मृतकों की संख्या छह और सात बताई गई, जबकि बाद की प्रशासनिक जानकारी में आठ महिला श्रद्धालुओं की मौत और नौ लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की बात सामने आई। घटना की अंतिम स्थिति आधिकारिक जांच और पुष्टि से ही स्पष्ट होगी।

हादसे की वजह को लेकर भी शुरुआती सूचनाओं में अंतर रहा। पहले बिजली के तार या खंभे से करंट लगने की बात सामने आई। बाद में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार और एडीएम नीरज कुमार के हवाले से बताया गया कि बिजली आपूर्ति बंद थी और तार ढका हुआ था। अशोक धाम हाल्ट पर एक साथ दो ट्रेनें आने से अचानक भीड़ बढ़ी। कुछ युवकों की भाग-दौड़ के दौरान बिजली का एक खंभा गिर गया। इसके बाद करंट फैलने की अफवाह ने श्रद्धालुओं में दहशत पैदा कर दी। लोग इधर-उधर भागने लगे। बैरिकेडिंग टूट गई और भगदड़ में लोग एक-दूसरे के ऊपर गिरते चले गए।

यही इस घटना का सबसे भयावह पक्ष है। भगदड़ में हमेशा कोई एक चीज नहीं मारती। कभी अफवाह, कभी संकरी जगह, कभी टूटी बैरिकेडिंग, कभी अचानक बढ़ा दबाव और कभी प्रशासन की तैयारी तथा वास्तविक भीड़ के बीच का अंतर मौत का कारण बन जाता है। सवाल केवल अशोक धाम का नहीं है। सवाल यह है कि जब किसी धार्मिक आयोजन में हजारों लोगों के आने की संभावना पहले से मालूम होती है, तो भीड़ को अचानक आई आपदा की तरह क्यों देखा जाता है?

सावन का सोमवार कोई अनजान तारीख नहीं था। अशोक धाम में भारी भीड़ की संभावना पहले से थी। जिलाधिकारी के अनुसार वे रात तीन बजे के बाद से ही मौके पर मौजूद थे। सुबह छह बजे के बाद भीड़ तेजी से बढ़ रही थी। दो ट्रेनों के एक साथ आने से श्रद्धालुओं की संख्या अचानक बढ़ी। इसका अर्थ है कि संकट केवल भगदड़ के क्षण में पैदा नहीं हुआ। संकट धीरे-धीरे बन रहा था। भीड़ बढ़ रही थी, रास्ते भर रहे थे और लोगों का दबाव बढ़ रहा था। फिर एक छोटी-सी घटना हुई और सामूहिक भय ने सब कुछ अपने कब्जे में ले लिया। भीड़ के मनोविज्ञान की यही विडंबना है। एक व्यक्ति दौड़ता है तो वह भाग रहा होता है। सौ लोग दौड़ते हैं तो वह भगदड़ होती है। हजार लोग दौड़ते हैं तो रास्ता नहीं बचता। गिरा हुआ व्यक्ति उठ नहीं पाता, क्योंकि पीछे आने वाले को पता ही नहीं होता कि उसके पैरों के नीचे कोई जिंदगी पड़ी है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिस की संख्या बढ़ाना नहीं है। भीड़ को चलाना, रोकना, मोड़ना, बांटना और सुरक्षित निकालना भी उतना ही जरूरी है।

अशोक धाम केवल एक मंदिर नहीं है। यह लखीसराय की धार्मिक चेतना और स्थानीय आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। स्थानीय मान्यता के अनुसार इस स्थल का संबंध पाल काल से जुड़ा है। कहा जाता है कि आठवीं शताब्दी में पाल वंश के राजा नारायण पाल के समय यहां शिवलिंग की पूजा होती थी। एक अन्य परंपरा के अनुसार बारहवीं शताब्दी में राजा इंद्रद्युम्न ने यहां भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। समय के साथ पुराना मंदिर नष्ट हुआ और उसके अवशेष धरती के नीचे दब गए।

अशोक धाम की आधुनिक कहानी 7 अप्रैल 1977 से जुड़ती है। स्थानीय परंपरा के अनुसार उस दिन अशोक नाम का एक बालक गिल्ली-डंडा खेल रहा था। खेलते समय उसकी नजर जमीन के नीचे दबे एक विशाल काले पत्थर पर पड़ी। बाद में उसे शिवलिंग माना गया। शिवलिंग इतना विशाल था कि उसे बाहर निकालना संभव नहीं हुआ। उसी बालक के नाम पर यह स्थान अशोक धाम कहलाने लगा। मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य आगे बढ़ा और 11 फरवरी 1993 को जगन्नाथपुरी के शंकराचार्य ने नए मंदिर के निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। बाद के वर्षों में श्री इंद्रदमनेश्वर महादेव मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से मंदिर परिसर का विकास हुआ। आज सावन में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इतिहास और आस्था से जुड़ा यह स्थल अब आधुनिक भीड़ प्रबंधन की बड़ी चुनौती के सामने है। धार्मिक स्थलों की भीड़ का अपना अनुभव है। अजमेर शरीफ दरगाह में एक बार मुझे वीआईपी प्रवेश की सुविधा मिली।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

सिर्फ शराब नहीं , रोजमर्रा की आदतें भी हो सकती हैं खराब लिवर की वजह

लिवर शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, जो भोजन को एनर्जी में बदलने, विषैले पदार्थों को बाहर निकालने, दवाओं को मेटाबोलाइज करने और पाचन के लिए जरूरी बाइल बनाने का काम करता है। अक्सर लोग मानते हैं कि सिर्फ शराब पीने से ही लिवर खराब होता है, लेकिन मेडिकल एक्सपर्ट्स का कहना है कि कई ऐसी रोजमर्रा की चीजें भी हैं जो धीरे-धीरे लिवर को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इनमें बार-बार पेन किलर दवाओं को लेना, हर्बल सप्लीमेंट्स का गलत इस्तेमाल, शुगर युक्त ड्रिंक्स का अधिक सेवन, प्रोसेस्ड फूड्स का सेवन और जरूरत से ज्यादा एनर्जी ड्रिंक्स का सेवन शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार बिना शराब पिए भी लिवर खराब हो सकता है। एनएचएस के मुताबिक आज के समय में नॉन एल्कोल्हिक फैटी लिवर डिजीज दुनिया में लिवर की सबसे आम बीमारियों में शामिल हैं। इसमें लिवर में एक्सट्रा फैट जमा होने लगता है। दरअसल, मोटापा, डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल, अधिक चीनी वाला आहार और शारीरिक निष्क्रियता इसके प्रमुख कारण माने जाते हैं। मेडलाइन प्लस के अनुसार दर्द या बुखार होने पर लोग अक्सर बिना डॉक्टर की सलाह के पेनकिलर जैसे कि निमोस्लाइडड या निमोस्लाइड पैरा का बार-बार सेवन करते हैं। सही मात्रा में ये दवाएं सुरक्षित मानी जाती हैं, लेकिन अधिक मात्रा या लंबे समय तक सेवन करने से लिवर पर गंभीर असर पड़ सकता है। एनसीबीआई के मुताबिक कई लोग यह मान लेते हैं कि 'हर्बल' या 'नेचुरल' लिखा होने का मतलब पूरी तरह सुरक्षित होना है। लेकिन सभी हर्बल सप्लीमेंट्स वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित नहीं होते। कोल्ड ड्रिंक्स, पैकेज्ड जूस, फ्लेवर्ड कॉफी और अन्य मीठे पेय पदार्थों में अक्सर अधिक मात्रा में ऐडड शुगर और हाई फ्रूक्टोज कोर्न सिरप होता है। अधिक फ्रक्टोज का सेवन लिवर में फैट जमा होने की प्रक्रिया को तेज कर सकता है, जिससे फैटी लिवर का खतरा बढ़ जाता है।

एनसीबीआई के अनुसार चिप्स, पैकेज्ड स्नैक्स, इंस्टेंट नूडल्स, प्रोसेस्ड मीट, बिस्कुट और फास्ट फूड जैसे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स में अधिक नमक, ट्रांस फैट, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट और प्रिजर्वेटिव्स हो सकते हैं। इनका नियमित सेवन मोटापा, इंसुलिन रेजिस्टेंस और फैटी लिवर के खतरे को बढ़ा सकता है। यदि आपका आहार लंबे समय तक ऐसे खाद्य पदार्थों पर आधारित है, तो लिवर की सेहत प्रभावित हो सकती है। यदि लगातार थकान, पेट में दर्द, भूख कम लगना या पीलिया जैसे लक्षण महसूस हों, तो इन्हें नजरअंदाज न करें और समय रहते डॉक्टर से जांच करवाएं।

निशाना

निशाना

प्रदीप कश्यप

सच कहे जो वो कहाँ है आजकल।
बंद सब की क्यों जुबाँ है आज कल।
सारी दुनिया ने सुखी समझा हमें।
दर्द दुख दिल में निहाँ है आज-कल।
कह रहे हैं बात झूठी लोग सब।
सिर्फ सच ही बेजुबाँ है आज - कल।
जिंदगी तो खूब है दुख से भरी।
सुख मेरा फिर सब कहाँ है आज-कल।
फूल गुलशन में खिले हैं सुर्ख सब।
सींचता खूँ बागबाँ है आज- कल।
जाँ लुटा कर प्यार दिलवर से किया।
मेरा दुश्मन ये जहाँ है आज- कल।
कुर्सी कश्यप मिल गई जिस को बड़ी।
उस को पदवी का गुमाँ है आज- कल।

अजब - गजब

आसमान से दिखा फिंगरप्रिंट जैसा टापू, 23 किमी तक फैला है पत्थरों की दीवारों का जाल

दुनियाभर में प्रकृति और इंसानों की बनाई कई ऐसी अजीबोगरीब रचनाएं मौजूद हैं, जो अपनी अनूठी बनावट से लोगों को हैरान कर देती हैं। ऐसा ही एक अद्भुत नजारा एड्रियाटिक सागर में क्रोएशिया के तट के पास देखने को मिलता है। यहां शिबेनिक द्वीपसमूह के पास स्थित बाल्जेनाक नाम का एक छोटा सा टापू इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रहा है। इस टापू की सबसे बड़ी खासियत यह है कि जब आप इसे आसमान से देखेंगे, तो यह इंसान के अंगूठे के निशान यानी एक विशाल फिंगरप्रिंट की तरह दिखाई देता है। महज 1.4 वर्ग किमी में फैला यह अंडाकार टापू दूर से किसी अजूबे से कम नहीं लगता। इसके फिंगरप्रिंट जैसा दिखने की वजह कोई कुदरती करिश्मा नहीं, बल्कि इस पर बनी सूखी पत्थरों की दीवारों का एक बहुत बड़ा जाल है। ये छोटी-छोटी दीवारें और उनके बीच की लकीरें दूर से देखने पर बिल्कुल इंसानी त्वचा की रेखाओं और झुर्रियों जैसी नजर आती हैं।

बता दें कि आयरलैंड, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड जैसे कई पश्चिमी यूरोपीय देशों की तरह क्रोएशिया के ग्रामीण इलाकों और तटीय क्षेत्रों में भी पत्थरों की ऐसी दीवारें बनाने की सदियों पुरानी परंपरा रही है। इतिहास में इन दीवारों का निर्माण खेतों की सीमाओं को तय करने के लिए किया जाता था। इनको बनाने की सबसे खास बात यह है कि इन्हें जोड़ने के लिए सीमेंट, चूने या किसी भी तरह के गारे का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया गया है। पुराने जमाने के कुशल कारीगर और किसान पत्थरों को बहुत ध्यान से चुनते थे और उन्हें पहेली के टुकड़ों की तरह एक-दूसरे के ऊपर इतनी मजबूती से सेट करते थे कि वे सदियों तक हिले बिना टिकी रहें। क्रोएशिया का ज्यादातर तटीय इलाका पथरीला है, यानी जमीन पर हर तरफ चट्टानें और पत्थर बिखरे पड़े हैं। खेती करने लायक जमीन तैयार करने के लिए किसानों ने मिट्टी में से इन पत्थरों को चुनकर बाहर निकाला और खेतों के चारों तरफ चौकोर और जालीदार दीवारें खड़ी कर दीं। महज आधा किलोमीटर लंबे बाल्जेनाक टापू पर इन दीवारों की कुल लंबाई 23 किलोमीटर से भी ज्यादा है। साल 2018 में यूनेस्को से इस अनोखे आईलैंड और इसकी सूखी पत्थरों की दीवारों को वर्ल्ड हेरिटेज साइट की सूची में शामिल कर लिया। बता दें कि खेतों की सीमाएं तय करने के अलावा इन पत्थरों की दीवारों का एक बहुत बड़ा वैज्ञानिक फायदा भी था। क्रोएशिया के तटीय इलाकों में 'बुरा' नाम की बहुत ही तेज और बर्फीली हवाएं चलती हैं, जो फसलों को पूरी तरह तबाह कर देती थीं। पत्थरों की ये ऊंची दीवारें इन तेज हवाओं को रोककर एक सुरक्षा कवच का काम करती थीं, जिससे पथरीले इलाकों में भी खेती करना मुमकिन हो पाता था। बाल्जेनाक के अलावा एड्रियाटिक सागर के सबसे लंबे तटीय क्षेत्र वाले 'पाग' नाम के आईलैंड पर भी किसानों ने पत्थरों की ऐसी दीवारें बनाई हैं, जिनकी कुल लंबाई 1,000 किमी से भी ज्यादा है।

इनोवेशन

सड़क पर गड्ढा... 4 सेकंड में ठेकेदार के खिलाफ रिपोर्ट ,बेंगलुरु के युवा ने तैयार किया AI सिस्टम

किसी खराब सड़क पर गाड़ी चलाते हुए आपके मन में भी आया होगा कि आखिर सड़क बनाई किसने है और क्यों खराब सड़क बनाने के लिए उनसे किसी तरह का हर्जाना नहीं लिया जाता? इस सवाल का हल बेंगलुरु के इंजीनियर ने ढ्ढ की मदद से खोज निकाला है। गौरव सेन नाम के सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने गाड़ियों में लगे डैशकैम, जीपीएस और ह्रश्चद्गढ्ढ के विजन मॉडल का इस्तेमाल करके एक ऐसा सिस्टम बनाया है, जो गाड़ी चलाते हुए न सिर्फ गड्ढों की पहचान कर लेता है बल्कि सरकारी डेटाबेस से उस सड़क के लिए जिम्मेदार ठेकेदार और संबंधित अधिकारी का नाम भी खोज निकालता है। इस सिस्टम की खासियत है कि यह सिर्फ 4 सेकंड में सबूतों के साथ पूरी रिपोर्ट तैयार कर देता है, जिसका इस्तेमाल सड़क की शिकायत कर मरमत कराने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सिस्टम को तैयार करने के लिए गौरव सेन ने अपनी कार में डैशकैम, जीपीएस और एक्सेलेरोमीटर लगवाए। इनकी मदद से गाड़ी चलाते समय ढ्ढ अलग-अलग आकार के गड्ढों को पहचान लेता है। कई बार गड्ढे और स्पीड ब्रेकर दूर से एक जैसे लगते है लेकिन ह्रश्चद्गढ्ढ के विजन मॉडल पर आधारित ढ्ढ इनमें अच्छे से फर्क कर लेता है। इसके बाद सारे डेटा को प्रोसेस करके तैयार भी ढ्ढ ही कर देता है। गाड़ी में लगे ढ्ढ का असल काम गड्ढों की पहचान करने के बाद शुरू होता है। दरअसल गौरव सेन ने गड्ढों की मरम्मत के लिए जिम्मेदार ठेकेदार का पता लगाने के लिए अपने सिस्टम को करीब 2900 सरकारी कॉन्ट्रैक्ट्स के डेटाबेस से जोड़ा। इसकी मदद से उनका सिस्टम गड्ढों की पहचान करने के साथ-साथ यह भी पता लगाकर बता देता है कि उन्हें ठीक करने की जिम्मेदारी किसकी है। अगर सड़क वारंटी पीरियड में हो, तो ठेकेदार बिना किसी सरकारी खर्चे के उसे ठीक करना होता है। गौरव सेन का ऐप गड्ढों को पहचानने से लेकर उनके ठेकादर को ढूंढ कर सिर्फ 4 सेकंड में एक पूरी रिपोर्ट तैयार कर देता है। इसमें गड्ढे की फोटो, सटीक लोकेशन, टेंडर का नंबर और संबंधित सरकारी अधिकारी का नाम भी मौजूद होता है।

न्यूज विंडो

कांवड़ लेकर निकले शिवभक्त, ग़माखर में किया भगवान शिव का जलाभिषेक

गंजबासौदा। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में विशाल कांवड़ यात्रा का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। कांवड़ यात्रा ग्राम बनवा जागीर से प्रारंभ होकर शिवधाम गमाखर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का विधि विधान से जलाभिषेक कर यात्रा का समापन किया कांवड़ यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्सापूर्वक सहभागिता की। और कांवड़ उठाकर यात्रा में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल दिखाई दिया। भगवान शिव के जयकारों से यात्रा मार्ग गुंजायमान रहा। यात्रा में विहिप प्रांत सामाजिक समरसता प्रमुख एवं कार्यपालक अधिकारी सुनील यादव, प्रांत गौरक्षा प्रमुख नीलेश अग्रवाल, विभाग संगठन मंत्री मुकेश माहेश्वरी सहित विभाग एवं जिले के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक भावना एवं अनुशासन के साथ कांवड़ यात्रा पूरी की। शिवधाम गमाखर पहुंचने के बाद सभी कांवड़ यात्रियों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। आयोजकों ने बताया कि विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल द्वारा प्रतिवर्ष कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है, जिसका उद्देश्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक भावनाओं को मजबूत करने के साथ समाज में एकता, समरसता और सनातन संस्कृति के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर विहिप-बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

सिंगल यूज पॉलीथिन के खिलाफ गौभक्तों ने चलाया जागरूकता अभियान

गंजबासौदा। नगर के युवाओं एवं गौभक्तों द्वारा गांधी चौक स्थित सब्जी बाजार में सिंगल यूज पॉलीथिन के उपयोग को रोकने एवं लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सब्जी खरीदने आए लोगों को पॉलीथिन के स्थान पर उपयोग किए जा सकने वाले थैले वितरित किए गए। अभियान के माध्यम से लोगों को समझाया गया कि सिंगल यूज पॉलीथिन पर्यावरण के लिए बेहद नुकसानदायक है। इसका उपयोग करने के बाद बड़ी मात्रा में पॉलीथिन कचरे के रूप में सड़कों, नालियों और खुले स्थानों पर पहुंचती है, जिससे पर्यावरण प्रदूषण बढ़ता है। वहीं पॉलीथिन खाने के कारण गौवंश सहित अन्य पशुओं के स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। गौभक्तों ने नागरिकों से अपील की कि वे बाजार जाते समय अपने साथ कपड़े या अन्य पुनः उपयोग किए जा सकने वाले थैले लेकर जाएं और सिंगल यूज पॉलीथिन का पूरी तरह बहिष्कार करें। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति जागरूक बने और पर्यावरण के साथ-साथ गौमाता की रक्षा में अपनी जिम्मेदारी निभाए, तभी स्वच्छ एवं सुरक्षित समाज का निर्माण संभव है। सब्जी बाजार में चलाए गए इस अभियान को लेकर नागरिकों ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। युवाओं ने लोगों से आग्रह किया कि पॉलीथिन के स्थान पर कपड़े के थैले अपनाएं और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अभियान से जुड़े युवाओं एवं उनकी पूरी टीम के द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं गौमाता की रक्षा को लेकर किए जा रहे जागरूकता प्रयासों की लोगों ने सराहना की। आयोजकों ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक व्यक्ति या संगठन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को इसमें अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

विहिप, बजरंग दल की जिला बैठक में आगामी कार्यक्रमों को लेकर की चर्चा

गंजबासौदा। विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की जिला बैठक जिला कार्यालय अशोक भवन में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने, कार्यकर्ताओं के मानसिक एवं बौद्धिक विकास तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिले के 8 प्रखंडों के दायित्ववान कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में विश्व हिंदू परिषद मध्य भारत प्रांत के प्रांत मंत्री नवल सिंह भदौरिया ने कार्यकर्ताओं को ओजस्वी एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन देते हुए संगठन के प्रति समर्पण, अनुशासन और निरंतर सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। संगठन मंत्री मुकेश माहेश्वरी ने संगठन की आचार-पद्धति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं के मानसिक एवं बौद्धिक स्तर को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। विभाग मंत्री विक्रम सिंह रघुवंशी ने पूर्व में आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए उनके अनुभवों एवं परिणामों के आधार पर आगामी गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। वहीं विभाग सहमंत्री चंद्रभान सिंह बघेल ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

नाग पंचमी उत्सव में बुजुर्गों और प्रतिभाशाली बच्चों को किया सम्मानित

गंजबासौदा। मानस भवन मेला ग्राउंड में सोमवार को चौरसिया समाज द्वारा चौरसिया दिवस एवं नाग पंचमी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज के बुजुर्गों का सम्मान किया गया। वहीं समाज के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देने वाले बच्चों का भी उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका अध्यक्ष शशि यादव ने की, जबकि विशेष अतिथि के रूप में भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अंशलेखा भावसार उपस्थित रहीं। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य नागरिक एवं समाजजन उपस्थित रहे। इनमें रविंद्र चौरसिया, घनश्याम चौरसिया, मुन्नालाल चौरसिया, दीपक चौरसिया, ओमप्रकाश चौरसिया, विपिन चौरसिया, सौरभ चौरसिया, आशीष चौरसिया, अमित चौरसिया एवं अरविंद चौरसिया सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे। कार्यक्रम में समाज की एकता, प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने तथा नई पीढ़ी को सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का संदेश दिया गया।

सराफा व्यापारी से करोड़ों की लूट करने का मामला

सात गिरफ्तार आरोपियों से 5.41 करोड़ रुपये के जेवर बरामद, आठवें की तलाश

रतलाम। दोपहर मेट्रो

जिले के बिलपांक थाना क्षेत्र के रेन-मऊ फंटे पर सराफा व्यापारी से करीब साढ़े सात करोड़ रुपये के सोने-चांदी के जेवर लूटने के मामले में पुलिस ने अब तक आठ में से सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से करीब पांच करोड़ 41 लाख रुपये के जेवर जब्त किए जा चुके हैं। आठवां आरोपी पुलिस के हाथ नहीं लगा है। उसकी तलाश में इंदौर टीम भेजी गई है, टीम वहां उसकी तलाश कर रही है।

उल्लेखनीय है कि रतलाम के सराफा व्यापारी अर्पित चौरड़िया आसपास के क्षेत्रों में जाकर सोने-चांदी के जेवर अन्य व्यापारियों को बेचने का काम करते हैं। वे इसी सिलसिले में 13 अगस्त 2026 को उज्जैन जिले के बड़नगर गए थे और वहां दस दुकानदारों को करीब 145 ग्राम सोने के जेवर बेचे थे। शेष बचे करीब पांच किलो सोने के जेवर व चांदी के कुछ जेवर बैग में लेकर वे बड़नगर से बस में सवार होकर रतलाम लौट रहे थे। बड़नगर से बस में कुछ बदमाश भी सवार हुए थे। रास्ते में रात करीब सवा नौ बजे एक बदमाश ने महू-नीमच हाईवे पर बिलपांक थाना क्षेत्र में रेन-मऊ फंटे पर बस रुकवाई थी तथा दो बदमाशों ने जेवरों से भरा बैग व्यापारी से छीन लिया था। विरोध करने पर वे व्यापारी के साथ मारपीट कर मौके पर बाइक से पहुंचे अन्य साथियों के साथ भाग निकले थे। व्यापारी ने पास में स्थिति धराड़ पुलिस चौकी पर पहुंचकर पुलिस को

सूचना दी थी। तभी से पुलिस बदमाशों की तलाश कर रही थी। बदमाशों की तलाश के लिए एसपी अमित कुमार के निर्देशन में 92 पुलिस अधिकारियों व जवानों की अलग-अलग टीमें गठित की गई थीं। टीमों ने बड़नगर से लेकर धराड़ तक के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक किए, संदिग्धों से पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि वारदात को व्यापारी के पूर्व कर्मचारी आरोपी रोहित नायक व उसके साथियों ने मिलकर अंजाम दिया है और वे इंदौर जिले के हरसोला की तरफ भागे हैं। टीम ने हरसोला पहुंचकर दबिश दी लेकिन वहां आरोपी नहीं मिले। आरोपियों की खोजबीन करने के दौरान रविवार व सोमवार की दरमियानी रात पुलिस को पता चला कि आरोपी झाबुआ जिले की बार्डर से लगे हिम्मतगढ़ पहाड़ी क्षेत्र में पहुंचे हैं। दो टीमों ने वहां पहुंचकर घेराबंदी कर छह आरोपियों राहुल गुर्जर व अभिजीत उर्फ अभय गुर्जर दोनों निवासी ग्राम ऊनी (बिलपांक), यशवंत गुर्जर निवासी मंदसौर, राहुल उर्फ वीर गुर्जर निवासी दीनदयाल नगर रतलाम, रवि उर्फ बबला गुर्जर निवासी ग्राम जमुनिया (बिलपांक) और मोहम्मद उमर उर्फ पप्पू निवासी आनंद कॉलोनी रतलाम को गिरफ्तार कर लिया था। पकड़े गए आरोपियों के पास से 5 करोड़ 32 लाख रुपये कीमत के 4 किलो 167 ग्राम सोने के जेवर और नौ लाख रुपये के 4 किलो 67 ग्राम वजनी चांदी के जेवर बरामद किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात व्यापारी के पूर्व कर्मचारी मुख्य आरोपी रोहित नायक निवासी रामरहीम नगर व गौरव गुर्जर निवासी ग्राम हरसौला जिला इंदौर के साथ मिलकर की थी। उक्त छह आरोपियों को 16 अगस्त को न्यायालय में पेश किया गया था। न्यायालय ने छह ही आरोपियों को 20 अगस्त तक पुलिस रिमांड पर रखने के आदेश दिए। इसके बाद सातवें आरोपी रोहित नायक को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उसे 17 अगस्त को न्यायालय में पेश किया गया, न्यायालय ने रोहित को भी 20 अगस्त तक पुलिस रिमांड पर रखने के आदेश दिए हैं।

चाय वाले के साथ रची थी साजिश

पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी रोहित नायक व्यापारी की रतलाम के सराफा बाजार में गणेश मार्केट स्थित दुकान पर काम करता था। उसे पता था कि व्यापारी जेवर बेचने बाहर आता-जाता रहता है। एक माह पहले उसने सराफा बाजार में चाय की दुकान लगाने वाले आरोपी अभिजीत उर्फ अभय गुर्जर को बताया था कि अर्पित जेवर बेचने बाहर जाता है, उसे लूट सकते हैं। इसके बाद बाद रोहित नायक व अभिजीत ने अन्य साथियों से चर्चा कर व्यापारी को लूटने की साजिश रची। साजिश के तहत आरोपी रैकी करने लगे और घटना वाले दिन बड़नगर से पीछा कर रेन-मऊ फंटे पर वारदात को अंजाम देकर भाग गए थे। बिलपांक थाना प्रभारी अय्यूब खान ने बताया कि पकड़े गए सातों आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लेकर उनसे घटना के बारे में बारिकी से पूछताछ की जा रही है। आरोपी गौरव गुर्जर के इंदौर में छिपे होने की जानकारी मिली है। उसकी तलाश में एक टीम इंदौर भेजी गई है, जहां टीम उसकी तलाश कर रही है।

झाड़-फूंक के बहाने 12वीं की छात्रा से दुष्कर्म करने वाला तांत्रिक गिरफ्तार, नवजात को भी मारने का इरादा था

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के सरदारपुर थाना अंतर्गत रतनपुरा चौकी क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां बीमारी के इलाज के नाम पर झाड़-फूंक करने वाले एक तांत्रिक बाबा ने 12वीं कक्षा की नाबालिग छात्रा को अपनी हवस का शिकार बनाया। आरोपी तांत्रिक बार-बार दुष्कर्म के कारण गर्भवती हुई पीड़िता के प्रसव के बाद नवजात बच्ची को मारने की फिराक में था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गुजरात भागने से ठीक पहले गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़िता रिंगनोद के एक सरकारी स्कूल में कक्षा 12वीं की छात्रा है। उसके माता-पिता मजदूरी के सिलसिले में गुजरात के मोरबी में रहते हैं। पीड़िता अपने भाई और दादी के साथ गांव में रहकर अपनी पढ़ाई जारी रखे हुए थी। करीब डेढ़ साल पहले जब पीड़िता को हाथ-पैरों में दर्द और माहवारी संबंधी समस्याएं हुईं, तो उसकी मां उसे स्थानीय तांत्रिक नानूराम कटारा (पिता वांगरिया कटारा, उम्र 52 वर्ष) के पास झाड़-फूंक से इलाज करवाने के लिए ले गई। इसके बाद आरोपी ने छात्रा को रोज अकेले आने को कहा। सितंबर 2025 में माता-पिता के गुजरात चले जाने के बाद तांत्रिक ने अकेली पाकर छात्रा के साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान छात्रा गर्भवती हो गई, लेकिन आरोपी पेट बढ़ने पर भी इसे 'भूत-बाधा' बताकर परिजनों और पीड़िता को गुमराह करता रहा। बीती 8 अगस्त 2026 को दोपहर करीब दो बजे अचानक पेट दर्द होने पर पीड़िता की डिलीवरी घर पर ही हुई, जिसमें उसने एक बेटी को जन्म दिया। इस दौरान नवजात बच्ची के चेहरे, शरीर और हाथ-पैरों में चोटें आईं। शुरुआत में परिवार ने बदनामी के डर से मामले को छिपाने का प्रयास किया, लेकिन बच्ची के रोने की आवाज सुनकर पड़ोसियों को इसकी भनक लग गई। पूछताछ के बाद परिजनों को सच्चाई पता चली। 11 अगस्त को पीड़िता की मां घर पहुंची और 12 अगस्त को परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर नवजात को इलाज के लिए सरदारपुर अस्पताल में भर्ती कराया। मामले में मोड़ तब आया जब 12 अगस्त को आरोपी तांत्रिक नानूराम कटारा नवजात बच्ची को जान से मारने की नीयत से अपने साथ ले जा रहा था। रास्ते में एक ग्रामीण ने उसे देख लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना सरदारपुर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अपने कब्जे में लिया, तब तक आरोपी मौके से फरार हो चुका था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर दबिश दी और आरोपी नानूराम कटारा को गुजरात भागने से पहले ही धर दबोचा।

55 हजार की रिश्वत मांगने का आरोप, दो कर्मी पकड़ाए

बैतूल। दोपहर मेट्रो

पश्चिम वन मंडल कार्यालय बैतूल में पदोन्नति से जुड़े एक लंबित विभागीय मामले को समाप्त कराने के एवज में 55 हजार रिश्वत मांगने के आरोप में भोपाल लोकायुक्त की टीम ने कार्रवाई की। विभाग के दो कर्मचारियों को कथित रूप से रिश्वत की राशि लेते हुए पकड़े जाने की जानकारी सामने आई है। लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार, शिकायतकर्ता वनरक्षक सुकांत पाठक ने पुलिस अधीक्षक, लोकायुक्त कार्यालय भोपाल में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनके पदोन्नति से जुड़े मामले को आगे बढ़ाने और लंबित विभागीय प्रकरण को समाप्त कराने के बदले 55 हजार की मांग की जा रही है। लोकायुक्त डीएसपी कवीन्द्र सिंह चौहान के अनुसार, शिकायतकर्ता के विरुद्ध वर्ष 2023 में विभागीय जांच हुई थी। जांच के बाद दंडात्मक कार्रवाई की गई थी। इसके बाद वन हानि की राशि की वसूली और अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित एक अन्य प्रक्रिया भी लंबित थी। बताया गया कि लंबित प्रकरण के कारण हाल में हुई पदोन्नति प्रक्रिया में शिकायतकर्ता के नाम पर विचार नहीं हो सका था। आरोप है कि इसी लंबित मामले को समाप्त कराने के लिए कार्यालय में पदस्थ कर्मचारियों द्वारा रिश्वत की मांग की जा रही थी।

तिलकसिंदूर मंदिर में रिटायर्ड टीआई की पत्नी का मंगलसूत्र ले उड़ी महिला

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

बीते दिन नागपंचमी के अवसर पर तिलकसिंदूर मंदिर में उमड़ी भीड़ के बीच चेन स्नेचिंग की वारदात हो गई। बदमाश गिरोह में शामिल एक महिला ने नर्मदापुरम के रिटायर्ड टीआई महेंद्र सिंह ठाकुर की पत्नी सविता ठाकुर (55) के गले से मंगलसूत्र निकाल लिया। घटना उस समय हुई, जब सविता दर्शन के दौरान पूजन सामग्री चढ़ाने के लिए झुकी थीं। भीड़ का फायदा उठाकर महिला ने वारदात को अंजाम दिया और वहां से निकल गई।

सविता ठाकुर नर्मदा टाउन सिटी, नर्मदापुरम की रहने वाली हैं। उनके पति महेंद्र सिंह ठाकुर पुलिस विभाग में टीआई के पद से करीब दो साल पहले भोपाल से रिटायर हुए हैं। महेंद्र सिंह ने बताया कि उनका मूल गांव पीपलढाना है। नर्मदापुरम से तिलकसिंदूर के लिए निकली कावड़ यात्रा में शामिल होकर वे परिवार के साथ मंदिर पहुंचे थे। महेंद्र सिंह के अनुसार, भगवान महादेव के दर्शन के बाद वे भैरव बाबा के दर्शन कर रहे थे। इसी दौरान पत्नी सविता पूजन सामग्री चढ़ाने के लिए झुकीं। तभी पीछे से आई एक महिला ने उनके गले से मंगलसूत्र निकाल लिया। भीड़ अधिक होने के कारण वारदात करने वाली महिला की पहचान नहीं हो सकी। रिटायर्ड टीआई महेंद्र सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी के अलावा पीपलढाना की एक अन्य महिला का भी मंगलसूत्र इसी तरह गायब हुआ है। हालांकि, दूसरी महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

घटना के बाद सोमवार शाम सविता ठाकुर ने पथरौटा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी मोनिका गौर ने बताया कि नर्मदापुरम निवासी महिला ने तिलकसिंदूर में दर्शन के दौरान गले से मंगलसूत्र निकालने की शिकायत की है। मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस मंदिर परिसर और आसपास की गतिविधियों की भी जानकारी जुटा रही है।

भोलेनाथ के पुष्प विसर्जित करने गई दो बहनों की तालाब में डूबने से मौत, गांव में छाया शोक

मैहर। दोपहर मेट्रो

मैहर जिले के अमरपाटन क्षेत्र से बेहद दुखद खबर सामने आई है। रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र के ग्राम धतुआ में तालाब में डूबने से दो चचेरी बहनों की मौत हो गई। दोनों बच्चियां भगवान भोलेनाथ को चढ़ाए गए फूलों का विसर्जन करने तालाब पहुंची थीं। हादसे में 15 वर्षीय खुशी कोरी और 11 वर्षीय प्रिया कोरी की जान चली गई। दोनों की एक साथ मौत की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, सावन सोमवार के अवसर पर खुशी और प्रिया भगवान भोलेनाथ को चढ़ाए गए फूलों का विसर्जन करने गांव के तालाब पहुंची थीं। फूल विसर्जन के दौरान अचानक एक बच्ची गहरे पानी में चली गई। उसे डूबता देख दूसरी बच्ची बचाने के प्रयास में पानी में आगे बढ़ गई। देखते ही देखते दोनों गहरे

पानी में चली गईं और डूब गईं। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तालाब में दोनों बच्चियों की तलाश शुरू की। काफी प्रयास के बाद दोनों को पानी से बाहर निकाला गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही रामपुर बाघेलान थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों बच्चियों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल अमरपाटन भेजा। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे की परिस्थितियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। एक ही परिवार की दो बच्चियों की एक साथ मौत से परिजन गहरे सदमे में हैं। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। सावन सोमवार पर धार्मिक कार्य के लिए घर से निकली दोनों बच्चियों की दर्दनाक मौत ने ग्रामीणों को भी झकझोर दिया है। हादसे ने तालाब और अन्य जलस्रोतों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

मेट्रो एंकर शिव-शक्ति पूजन से हुआ शुभारंभ, विविध नृत्य प्रस्तुतियों, मनोरंजक खेलों और सामूहिक नृत्य ने बांधा समां

काया तीजोत्सव पर प्रिंसेस और अनारकली के रंगों से झूम उठा माहौल

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

श्रावण मास की हरियाली, सौभाग्य, प्रेम और उल्लास को समर्पित हरियाली तीज के पर्व को काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो, नरसिंहपुर की संचालिका सुश्री इंदु सिंह ने एकदम नूतन अनोखे व अनूठे ढंग से मनाया। इस काया तीजोत्सव में महिलाओं ने पारंपरिक संस्कृति और आधुनिक रचनात्मकता के साथ-साथ परियों व राजकुमारियों के खूबसूरत संगम को भी प्रस्तुत किया। फेयरी, प्रिंसेस और अनारकली थीम पर आधारित इस विशेष आयोजन में सजे हुए फेयरी लैंड ने पूरे कार्यक्रम को स्वप्निल और आकर्षक रूप प्रदान किया जहां आने वाले को महसूस हुआ मानो वह सचमुच किसी परीलोक में ही आ गया हो। कार्यक्रम का संचालन एंकर यशना तिवारी ने बेहद मनोरंजक एवं प्रभावशाली अंदाज में किया जिनकी शेरो-शायरी, हास्य-विनोद और उत्साहपूर्ण मंच संचालन ने पूरे आयोजन में ऊर्जा बनाए रखी और उपस्थित महिलाओं एवं अतिथियों को कार्यक्रम से जोड़े रखा।

काया तीजोत्सव का शुभारंभ भगवान शिव एवं माता पार्वती के पूजन-अर्चन से हुआ। तीज पर्व के आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करते हुए शिव-पार्वती से सभी के सुख, समृद्धि, सौभाग्य एवं खुशहाली की कामना की गई। पूजन के पश्चात कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती आरती मानसाता व अन्य उपस्थित सम्मानीय अतिथियों वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती संध्या कोठारी, विवेक पांडेय, अरूणा दुबे, सुषमा मिश्रा, नीरा बुधौलिया, स्वाति जायसवाल, भारती कौरव, श्रीमती मंजू श्रीवास्तव, डॉ राजश्री पटेल व राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी प्रीति दीदीजी का काया परिवार के सदस्यों द्वारा गुलाब बैज लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। स्वागत अवसर पर तीज की परंपरा, भारतीय संस्कृति में नारी की भूमिका तथा उत्सवों के माध्यम से महिलाओं के बीच आपसी जुड़ाव और प्रसन्नता को बढ़ावा देने की बात कही गई। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा तीज के विविध रंग, विविध डांस के संग जिसमें महिलाओं ने चार अलग-अलग थीम आधारित नृत्य प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। पहली प्रस्तुति प्रिंसेस लुक पर आधारित रही जिसमें लोकप्रिय गीत आइए मेहरबान, बैठिए जानेजां पर प्रतिभागियों ने राजकुमारी की शाही छवि और नज़ाकत को अपने नृत्य के माध्यम से जीवंत कर दिया। इस प्रस्तुति में आरती सिंह, अदिति नेमा, अमृता नेमा, अनमिका पटेल, कीर्ति प्रजापति, मीना शर्मा, नेहा सोनी, पूजा नेमा, प्रीति सोनी, रानू श्रीवास्तव, सीमा नामदेव एवं दिव्यांशी (परी) उपाध्याय ने भाग लिया। सुरों की मधुरता, आकर्षक परिधानों और नृत्य की सुंदर मुद्राओं ने प्रस्तुति को विशेष बना दिया। दूसरी प्रस्तुति सुपर वीमेन के मारवाड़ी लुक पर आधारित रही।

न्यूज विंडो

उत्साह व जोशपूर्ण वातावरण में की भारत माता की आरती

नरसिंहपुर । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, नरसिंहपुर इकाई द्वारा नगर के हृदयस्थल सुभाषपार्क चौराहे पर स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर अखंड भारत दिवस के उपलक्ष्य में तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें ना रहें के राष्ट्रजागरण भाव से आयोजित भारत माता की जय, वंदे मातरम के गगनभेदी नारों के मध्य उत्साह व जोशपूर्ण वातावरण मे भारत माता की भव्य व दिव्य आरती में मुख्यवक्ता के रूप मे परिषद के पूर्व प्रदेश सहमंत्री विनीत नेमा का पाथेय प्राप्त हुआ । जिला संगठन मंत्री प्रिंस तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में देश के अमर बलिदानियो को याद करते हुये उनके प्रेरकसूत्रों को अपने जीवनप्रवाह मे उतारने का आह्वान कर, युवाओं में राष्ट्रभक्ति और देश सेवा की भावना जागृति के निरंतर प्रयास व एकस्वर मे अखंड भारत का संकल्प दोहराया गया । इस अवसर पर शंकराचार्य वार्ड पार्षद अजय प्रताप पटेल, किसान नेता देवेंद्र पाठक, जिलाध्यक्ष भारत रक्षा मंच, श्रीकांत मिश्रा, वरिष्ठ समाजसेवी एसके चतुर्वेदी, श्रेयांस गुप्ता सहित, परिषद के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं सहित आमजनों की बड़ी संख्या में उपस्थित रही ।

चोरी से परेशान दर्जनों ग्रामीण पहुंचे थाने, चोरों की गिरफ्तारी की मांग

तेंदूखेड़ा. थाना क्षेत्र में लगातार हो रही भैंस चोरी की घटनाओं से परेशान दर्जनों ग्रामीण सोमवार को तेंदूखेड़ा थाने पहुंचे। ग्रामीण अपने साथ पूर्व में पुलिस को दिए गए शिकायत आवेदन भी लेकर पहुंचे और चोरी की घटनाओं में अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी लेते हुए भैंसों की बरामदगी तथा आरोपियों को पकड़ने की मांग की। लगभग 30 से 40 भैंसो के लापता होने की जानकारी मिल रही है ग्राम निबोरा निवासी संतु यादव ने बताया कि 29 जुलाई को उसकी सात दूध देने वाली भैंसें चोरी हो गईं। भैंसों से ही परिवार का भरण-पोषण होता था, लेकिन चोरी के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। टीकाराम केवट ने बताया कि 8 अगस्त को बैलढाना से उसकी सात भैंसें चोरी हुईं। वहीं राजेंद्र यादव की दो, महेंद्र यादव की चार तथा राहुल यादव की तीन भैंस चोरी होने की जानकारी ग्रामीणों ने दी। खेरा निवासी रामकुमार यादव की पांच भैंसें भी चरने के दौरान गायब हो गईं। ग्राम पांजी निवासी महेंद्र यादव के अनुसार 13 अगस्त की रात जंगल में छोड़ी गई 12 भैंसों में से चार गायब हो गईं। ग्रामीणों ने जंगल में वाहन के टायरों के निशान और भैंसों को वाहन में चढ़ाने के चिन्ह मिलने की बात भी कही है। ग्रामीणों का कहना है कि बैलढाना, पांजी ,खेड़ा और निबोरा क्षेत्र में लगातार पशु चोरी की शिकायतें सामने आ रही हैं, जिससे किसी संगठित पशु चोर गिरोह के सक्रिय होने की आशंका है। कुछ लोगों पर संदेह भी जताया गया है, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। रामकुमार यादव ने कहा कि कार्रवाई नहीं हुई तो ग्रामीण धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

श्रावण में शिव भक्ति में डूबा तेंदूखेड़ा पंचवटी मंदिर में हुए आयोजन

तेंदूखेड़ा। श्रावण मास के तीसरे सोमवार को नगर एवं क्षेत्र में श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उत्साह का वातावरण रहा। सुबह से ही विभिन्न शिव मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के दर्शन, पूजन और अभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। घरों में भी भक्तों ने मिट्टी से शिवलिंग का निर्माण कर विधि-विधान से पूजन, अभिषेक और भजन-कीर्तन किया। पूरे दिन नगर में हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। नगर के पंचवटी मंदिर में श्रावण अवसर पर विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह 8 बजे रुद्र निर्माण, 11 बजे रुद्राभिषेक तथा दोपहर 2 बजे रुद्र विसर्जन किया गया। इसके बाद शाम 6 बजे भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों का आनंद लेते हुए भगवान शिव की आराधना की। रात 8 बजे महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। श्रावण सोमवार के अवसर पर अनेक श्रद्धालुओं ने अपने घरों में मिट्टी से शिवलिंग तैयार किए और उनका अभिषेक एवं पूजन किया। शाम को इन शिवलिंगों के विसर्जन के लिए श्रद्धालुओं द्वारा गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। श्रद्धालु भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए गौरैया नदी पहुंचे, जहां विधि-विधान और धार्मिक परंपराओं के अनुसार मिट्टी से निर्मित शिवलिंगों का विसर्जन किया गया।

तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की विसनाखेड़ी ग्राम पंचायत का मामला

श्मशान घाट की मांग, सरकारी जमीन नहीं होने का तर्क देकर अटका निर्माण

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

केंद्र से लेकर राज्य में भाजपा की सरकार है और जबेरा विधानसभा क्षेत्र में भाजपा सरकार के विधायक व राज्यमंत्री हैं। फिर भी आज कई गांव विकास की रफ्तार से पीछे है और मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। लेकिन इस और किसी भी नेता जनप्रतिनिधि व अधिकारी का ध्यान नहीं है। मामला दमोह जिले की तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत बिसनाखेड़ी से सामने आया है, जहां आजादी के 80 वें साल होने के बाद भी ग्रामीणों को मूलभूत सुविधा के रूप में श्मशान घाट तक उपलब्ध नहीं हो सका है। इस गांव में किसी ग्रामीण की मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को गांव के आसपास खुले स्थान अथवा वन भूमि का सहारा लेना पड़ता है। जबकी ग्राम की जनसंख्या एक हजार से अधिक है बारिश और खराब मौसम के दौरान यह समस्या और गंभीर हो जाती है। गांव में एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो जाने पर और बारिश के चलते अंतिम संस्कार में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ऐसे में सवाल उठता है कि विकास के दावों के बीच ग्रामीणों को अंतिम संस्कार के लिए भी स्थायी स्थान क्यों नहीं मिल सका।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लंबे समय से श्मशान घाट की मांग की जा रही है, लेकिन आज तक इसका स्थायी समाधान नहीं

निकला। मृतक के अंतिम संस्कार के समय परिवार और ग्रामीणों को स्थान तलाशने से लेकर लकड़ी एवं अन्य व्यवस्थाओं तक अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वन भूमि के आसपास अंतिम संस्कार करना भी ग्रामीणों की मजबूरी बनी हुई है।

ग्राम के सतपाल यादव, ज्ञानी यादव, आनंद यादव, राजा यादव, विजय यादव, ओमकार यादव, प्रेम सिंह ठाकुर और गुलफन यादव ने बताया कि श्मशान घाट के लिए कई बार मांग उठाई जा चुकी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि गांव के बाहर सुरक्षित और उपयुक्त स्थान चिह्नित कर श्मशान घाट का निर्माण कराया जाए, ताकि किसी परिवार को अपने मृत परिजन के अंतिम संस्कार के लिए भटकना न पड़े।

मालगुजारी भूमि का हवाला वर्षों से नहीं निकला समाधान

ग्राम पंचायत सचिव सरन पाल के अनुसार बिसनाखेड़ी में अधिकांश भूमि मालगुजारी है ग्रामीण अपनी भूमि दान करने के लिए तैयार नहीं हैं और पंचायत के पास भी श्मशान घाट के लिए पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं है। पंचायत की ओर से कई बार ग्रामीणों से भूमि उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली ग्राम पंचायत सचिव सरन पाल ने बताया कि यदि भूमि उपलब्ध हो जाती श्मशान घाट का निर्माण कराया जा सकता था। हालांकि ग्रामीणों का सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि गांव में सरकारी भूमि उपलब्ध नहीं है, तो माध्यमिक शाला, आंगनबाड़ी और ग्राम पंचायत भवन के लिए भूमि कहां से उपलब्ध हुई इन संस्थानों के लिए भूमि दान में मिली अथवा शासकीय भूमि का उपयोग हुआ, इसकी प्रशासनिक स्तर पर जांच और स्पष्टता आवश्यक है स्कूल, आंगनबाड़ी और पंचायत भवन गांव की जरूरत हैं, लेकिन श्मशान घाट भी उतनी ही आवश्यक और संवेदनशील सार्वजनिक सुविधा है श्मशान घाट गांव के भीतर नहीं, बल्कि आबादी से बाहर सुरक्षित स्थान पर बनाया जाना चाहिए। प्रशासन को केवल भूमि उपलब्ध नहीं होने का हवाला देकर मामले को लंबित रखने के बजाय राजस्व विभाग, पंचायत और ग्रामीणों के साथ मिलकर भूमि चिन्हित करनी चाहिए। ग्रामीणों का कहना है कि शासन चाहे तो किसी उपयुक्त शासकीय भूमि का चयन कर इस वर्षों पुरानी समस्या का स्थायी समाधान कर सकता है। अब सवाल प्रशासन से है क्या बिसनाखेड़ी के ग्रामीणों को श्मशान घाट के लिए अभी और वर्षों तक इंतजार करना पड़ेगा, या प्रशासन संवेदनशीलता दिखाते हुए भूमि चिन्हित कर निर्माण की प्रक्रिया शुरू करेगा।

समिति ने किया जमीनी मूल्यांकन

करेली। दोपहर मेट्रो

राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान 2026 हेतु आवेदित शिक्षकों के जमीनी मूल्यांकन हेतु लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल मध्य प्रदेश द्वारा गठित चयन समिति द्वारा 17 अगस्त को जिले के संबंधित विद्यालयों में जाकर आवेदित शिक्षकों से संबंधित दस्तावेजों एवं वस्तु स्थिति का जमीनी मूल्यांकन किया गया। चयन समिति के सदस्य पूर्व जिला शिक्षाधिकारी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डांगीढाना के प्राचार्य संदीप कुमार नेमा, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखपुर के प्राचार्य एसके पाल एवं अशासकीय सदस्य, वरिष्ठ साहित्यकार कुशलेंद्र श्रीवास्तव गाडरवारा एवं शासकीय अधिमान्य पत्रकार आशीष अग्रवाल करेली ने नामांकित शिक्षक मनीष शंकर तिवारी माध्यमिक शिक्षक, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय साईखेड़ा व सुश्री शिखा वर्मा माध्यमिक शिक्षक, शासकीय माध्यमिक शाला लौकीपार के स्कूल पहुंचकर जमीनी मूल्यांकन किया। चयन समिति द्वारा संबंधित शिक्षक के द्वारा अपलोड की गई जानकारी का विद्यालय में निहित शासकीय रिकॉर्डों के माध्यम से परीक्षण किया व सत्यापन किया गया। वार्षिक परीक्षाफल का अवलोकन किया एवं संबंधित शिक्षक द्वारा विविध क्षेत्रों में किये जा रहे प्रयासों व शैक्षणिक क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों का सूक्ष्मता से अवलोकन कर संबंधित दस्तावेज एकत्र किए।

कावड़ यात्रा में 5,55,555 महामृत्युंजय जाप

रतलाम। दोपहर मेट्रो

सम्पूर्ण राष्ट्र के मंगल, जनकल्याण एवं सुख-समृद्धि की पवित्र भावना को लेकर 5,55,555 महामृत्युंजय मंत्र जप के साथ लोक कल्याण कावड़ यात्रा का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति के दिव्य वातावरण में किया गया। मुरलीवाला फाउंडेशन की ओर से हमारा राष्ट्र बने सर्वशक्तिमान के संकल्प के साथ आयोजित इस अनुष्ठान में 24 विद्वान आचार्यों के मार्गदर्शन में महामृत्युंजय मंत्र का जप किया। यात्रा की शुरुआत मां कालिका के पावन प्रांगण से हुआ। कंठ में महामृत्युंजय महामंत्र, कांधे पर कावड़ और हृदय में राष्ट्रमंगल का भाव लिए श्रद्धालुओं ने भगवान महादेव का जयघोष करते हुए शहर भ्रमण किया। यात्रा कालिका माता मंदिर से गुलाब चक्कर, मेंहदीकुई बालाजी, नगर निगम चौराहा, कॉलेज रोड, नाहरपुरा, डालूमोदी बाजार, गणेश देवरी, धान मंडी, शहीद चौक एवं सैलाना बस

स्टैंड सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई सब्जी मंडी प्रांगण, पावर हाउस रोड स्थित कंठीवाला हनुमान मंदिर पहुंची। यात्रा मार्ग पर महापौर प्रहलाद पटेल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप उपाध्याय सहित विभिन्न स्थानों पर धर्मप्रेमी नागरिकों द्वारा कावड़ यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया गया तथा पूरा वातावरण हर-हर महादेव और महामृत्युंजय मंत्र के स्वर से शिवमय हो उठा। यात्रा के समापन पर कंठीवाला हनुमान मंदिर में भगवान शिव का सहस्त्रधारा अभिषेक किया गया। इसके आरती एवं प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। आयोजन का मूल भाव था कि भगवान महादेव से की जाने वाली प्रार्थना केवल स्वयं अथवा अपने परिवार तक सीमित न रहे, बल्कि सम्पूर्ण समाज, राष्ट्र और सृष्टि के कल्याण के लिए हो। समुद्र मंथन में भगवान शिव द्वारा स्वयं विषपान कर जगत की रक्षा करने का संदेश ही इस यात्रा की प्रेरणा रहा स्व से ऊपर उठकर सर्व के मंगल की कामना।

नागपंचमी पर दमोह में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई सपेरों से 20 से अधिक सांप रेस्क्यू; जंगल में छोड़े

दमोह। दोपहर मेट्रो

नागपंचमी पर्व के अवसर पर वन विभाग ने सोमवार को दमोह शहर में बड़ी कार्रवाई करते हुए सपेरों के कब्जे से 20 से अधिक सांपों को रेस्क्यू किया। वन विभाग की टीम ने काल भैरव एनिमल वेलफेयर फाउंडेशन के सहयोग से शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में निरीक्षण कर सपेरों को चिन्हित किया और उनके पास मौजूद सांपों को सुरक्षित रूप से मुक्त कराया।

कार्रवाई डीएफओ ईश्वर जरांडे और वन परिक्षेत्र अधिकारी के निर्देशन में की गई। दमोह रेंजर विक्रम चौधरी ने बताया कि नागपंचमी के दौरान कुछ सपेरे सांपों को टोकरी में रखकर लोगों के बीच प्रदर्शन के लिए लेकर पहुंचते हैं। वन्यजीवों को पकड़कर रखना और उनका प्रदर्शन करना वन्यजीव संरक्षण नियमों के दायरे में गंभीर मामला है। इसी को देखते हुए शहर के

विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया गया। रेस्क्यू किए गए सांपों को पहले जबलपुर नाका स्थित वन विभाग कार्यालय लाया गया। यहां सपेरों से सांपों के संबंध में जानकारी ली गई और यह पता लगाने का प्रयास किया गया कि उन्हें कहां से पकड़ा गया था। इसके बाद सांपों का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया। वन विभाग की टीम ने सभी सर्पों को सुरक्षित तरीके से जंगल में ले जाकर सोमवार शाम करीब पांच बजे प्राकृतिक वातावरण में छोड़ दिया। अधिकारियों के अनुसार, अभियान का उद्देश्य सर्पों को नुकसान से बचाने के साथ ही मानव-सर्प संघर्ष को कम करना है।

कार्रवाई के दौरान वन विभाग ने सपेरों को सांपों को पकड़कर रखने, उनके साथ छेड़छाड़ करने और सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन नहीं करने की चेतावनी दी। टीम ने बताया कि सांपों को लंबे समय तक कैद में रखना उनके लिए नुकसानदायक होता है। कई बार प्रदर्शन के दौरान सर्पों के साथ क्रूरता भी की जाती है। वन विभाग ने लोगों से भी अपील की कि नागपंचमी पर सर्पों को खरीदकर घर में न रखें और न ही सपेरों से सांपों का प्रदर्शन करवाएं। घर, खेत, दुकान या अन्य स्थान पर सांप दिखाई देने पर उसे मारने के बजाय वन विभाग अथवा प्रशिक्षित सर्प रेस्क्यू टीम को सूचना दें।

बिजली सप्लाई बंद होते ही नेटवर्क भी ठप, उपभोक्ताओं की बढ़ी परेशानी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में विद्युत सप्लाई बाधित होते ही नेटवर्क भी बंद हो जाने से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जैसे ही बिजली गुल होती है, कुछ ही समय बाद जियो के मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं भी प्रभावित हो जाती हैं। इससे मोबाइल से बातचीत करने के साथ इंटरनेट आधारित जरूरी काम भी रुक जाते हैं।

नगर निवासी मोहन, रमेश महाराज और राजेंद्र गौतम ने बताया कि बिजली बंद होने के बाद जियो टावर से नेटवर्क गायब होना अब आम समस्या बन गई है। उनका आरोप है कि जिन स्थानों पर जियो के टावर लगे हैं, वहां बैकअप के लिए जनरेटर की व्यवस्था होने के बावजूद उसका नियमित उपयोग नहीं किया जाता। इसका कारण बिजली जाने पर मोबाइल नेटवर्क भी बंद हो जाता है। उपभोक्ताओं का कहना है कि आज के समय में मोबाइल नेटवर्क केवल बातचीत तक सीमित नहीं है, बल्कि ऑनलाइन भुगतान, बैंकिंग, पढ़ाई और अन्य जरूरी कार्यों के लिए इंटरनेट आवश्यक हो गया है। ऐसे में लंबे समय तक नेटवर्क बंद रहने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है।स्थानीय उपभोक्ताओं ने कंपनी से स्थायी समाधान और बिजली गुल होने की स्थिति में पर्याप्त बैकअप व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। इस संबंध में जियो कंपनी के गजेंद्र उमरे जिला नेटवर्क टीम अधिकारी ने बताया कि नेटवर्क प्रभावित होने की समस्या बैटरी से संबंधित तकनीकी परेशानी के कारण सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि समस्या को जल्द ठीक कराया जाएगा।

मेट्रो एंकर — छात्राओं ने धार पहुंचकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

छात्रावास जर्जर, वार्डन पर दुर्व्यवहार का गंभीर आरोप

धार। दोपहर मेट्रो

गंधवानी तहसील के केशवी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावास की जर्जर स्थिति और वार्डन के कथित दुर्व्यवहार से परेशान छात्राओं ने धार पहुंचकर प्रशासन के खिलाफ आवाज उठाई। छात्राओं ने नारेबाजी करते हुए धार एसडीएम राजकुमार हलदर को ज्ञापन सौंपा और न्याय की गुहार लगाई।

छात्राओं और जयस छात्र संगठन के जिला अध्यक्ष चिन्टु गिरवाल ने बताया कि छात्रावास का वर्तमान भवन बेहद पुराना, जीर्ण-शीर्ण और जर्जर अवस्था में है। स्थिति इतनी खराब है कि बारिश के दौरान सभी कमरों की छतों से पानी टपकता है। भवन कभी भी ढह सकता है, जिससे अंदर रहने वाली

छात्राओं की जान को लगातार खतरा बना हुआ है। संगठन ने मांग की है कि छात्राओं को तुरंत किसी सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए और नए भवन का निर्माण जल्द से जल्द शुरू किया जाए।

ज्ञापन में छात्रावास की वार्डन मीना सुतार पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। छात्राओं का कहना है कि वार्डन द्वारा उनके साथ लगातार दुर्व्यवहार किया जाता है। इसके अलावा छात्राओं का सामान (पेटी) फेंकने और सहायक वार्डन के साथ मारपीट करने जैसे कृत्य सामने आए हैं। छात्र संगठन ने इसे प्रशासनिक लापरवाही और अनुशासनहीनता करार देते हुए वार्डन मीना सुतार को तुरंत निलंबित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। छात्राओं की समस्याएं सुनने के बाद धार एसडीएम राजकुमार हलदर ने मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल छात्रावास का निरीक्षण करने और शिकायतों की गहन जांच करने के निर्देश दिए हैं। एसडीएम ने छात्राओं को आश्वस्त किया है कि जांच रिपोर्ट में तथ्य सही पाए जाने पर दोषी के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भोपाल

क्रमांक / 825/खनिज /2026 — भोपाल, दिनांक 13/08/2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती रश्मि अग्रवाल पत्नी श्री महेन्द्र अग्रवाल निवासी ए-1, पंचवटी कॉलोनी एयरपोर्ट रोड जिला भोपाल म.प्र. द्वारा उत्खनिपट्टटा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 17.12.2025 को प्रस्तुत किया गया है। उक्त क्षेत्र पर प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस तक की अवधि तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https\N//mines.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगें।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
भोपाल	हुजूर	राजीव नगर	149(एस) एवं 150 (एस)	2.000 हेक्टेयर एवं 2.000 कुल रकबा 4.000 हेक्टेयर	शासकीय	मुरम	भाग रकबा 4.000 हेक्टेयर

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेगें। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी (खनिज) जिला भोपाल

G17238-26

टेस्ट सीरीज: गॉल में राहुल की एक भूल, टीम इंडिया का बिगड़ा खेल!

90 रन पर 5 विकेट गंवाकर लड़खड़ा रही थी श्रीलंकाई टीम

जीवनदान पाकर श्रीलंका ने पलट दिया पूरा गणित

नई दिल्ली, एजेंसी

गॉल टेस्ट में टीम इंडिया ने तीसरे दिन तक 178 रनों की बढ़त हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत जरूर कर ली, लेकिन एक कैच ने भारतीय टीम के हाथ से मैच पर शिकंजा कसने का सुनहरा मौका छीन लिया। श्रीलंका की पहली पारी में जब मेजबान टीम महज 90 रन पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में फंसी थी, तब भारतीय टीम के पास उसे 200 रन से पहले समेटने और फॉलोऑन थोपने का शानदार अवसर था। मगर केएल राहुल से मिली एक जीवनदान ने श्रीलंका की पूरी कहानी बदल दी।

मैच के 36वें ओवर में मानव सुथार ने शानदार फ्लाइटेड गेंद डालकर निरोशन डिकवेला को परेशान किया। गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और स्लिप में खड़े राहुल की ओर तेजी से गई। राहुल ने दाईं तरफ छलांग लगाकर कैच पकड़ने की पूरी कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथों में टिक नहीं सकी। उस वक्त डिकवेला सिर्फ 20 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। यही चूक आगे चलकर भारतीय टीम के लिए बड़ी परेशानी बन गई।

एक कैच छूटा और श्रीलंका ने पलट दी बाजी

राहुल के हाथ से गेंद निकलते ही श्रीलंका को जैसे नई जिंदगी मिल गई। उस समय तक भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान बल्लेबाजी क्रम की कमर तोड़ दी थी। उदारा 27, दिनेश चांदीमल 4, कामिंदु मेंडिस 14 और कप्तान धनंजय डिसिल्वा 21 रन बनाकर पवेलियन लौट चुके थे। श्रीलंका पर पारी के अंतर से हार का खतरा मंडरा रहा था। लेकिन डिकवेला ने जीवनदान का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने सोनल दिनुषा के साथ मिलकर भारतीय गेंदबाजों को लंबे समय तक विकेट के लिए तरसाया। दोनों ने छठे विकेट के लिए 146 रनों की जबरदस्त साझेदारी कर श्रीलंका को संकट से बाहर निकाल दिया।

डिकवेला ने ठोके 80, दिनुषा ने जमाया शतक

जिस डिकवेला को राहुल के हाथों जीवनदान मिला था, उन्होंने बाद में भारतीय टीम की मुश्किलें बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने 115 गेंदों का सामना करते हुए 80 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली। दूसरी ओर सोनल दिनुषा ने लगभग साढ़े चार घंटे तक क्रीज पर डटे रहकर शानदार शतक जड़ा।

शुभमन सुपरमैन! हवा में तैरते कप्तान ने बदल दिया गॉल टेस्ट का रंग

गॉल। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अपनी फील्डिंग से मैदान पर ऐसा नजारा पेश किया, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। तीसरे दिन कामिंदु मेंडिस के बल्ले से निकली गेंद जमीन छूने ही वाली थी कि गिल ने बिजली जैसी तेजी से बाईं ओर छलांग लगा दी। हवा में लगभग तैरते हुए गिल ने गेंद को एक हाथ से लपक लिया और जमीन पर गिरने के बावजूद पकड़ नहीं छोड़ी। इस असाधारण कैच ने न सिर्फ कामिंदु को पवेलियन भेजा, बल्कि पूरे मैदान में भारतीय टीम का जोश भी बढ़ा दिया। श्रीलंका की पारी का 17वां ओवर चल रहा था। कुलदीप यादव की गेंद ऑफ स्टंप के बाहर फुलर लेंथ पर थी। कामिंदु मेंडिस गेंद की पिच तक पूरी तरह नहीं पहुंच सके और आगे बढ़कर उसे अतिरिक्त कवर की दिशा में खेल बैठे। गेंद में ज्यादा ताकत नहीं थी, लेकिन वह ऐसी दिशा में जा रही थी जहां सामान्य फील्डर के लिए पहुंचना बेहद मुश्किल होता। गिल ने बिना एक पल गंवाए बाईं ओर लंबी छलांग लगा दी। उनका शरीर लगभग जमीन के समानांतर हो गया और गेंद जमीन से कुछ इंच पहले ही उनके हाथ में समा गई।

सुथार-जडेजा ने बरपाया कहर, फिर भी हाथ से निकला मौका

भारतीय गेंदबाजों में मानव सुथार सबसे सफल रहे। उन्होंने चार विकेट अपने नाम किए और लगातार श्रीलंकाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। रवींद्र जडेजा ने तीन विकेट झटके, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव को एक-एक सफलता मिली। गेंदबाजों ने श्रीलंका को शुरुआती झटके देकर मैच पर भारत की पकड़ मजबूत कर दी थी। मगर फील्डिंग में हुई एक छोटी सी चूक ने उस मेहनत का बड़ा फायदा श्रीलंका को दे दिया। यही वजह है कि राहुल का छोड़ा कैच अब गॉल टेस्ट की सबसे चर्चित घटनाओं में शामिल हो गया है।

178 रन की बढ़त, लेकिन बढ़ी चिंता

श्रीलंका की पहली पारी 284 रन पर समाप्त होने के बाद भारतीय टीम को 178 रनों की बढ़त मिली है। तीसरे दिन का खेल समाप्त होते ही बारिश शुरू हो गई, जिसके चलते अंपायरों ने समय से पहले स्टंप्स घोषित कर दिए। अब भारत चौथे दिन अपनी दूसरी पारी शुरू करेगा। भारत के पास अभी भी मैच पर बढ़त है, लेकिन श्रीलंका को फॉलोऑन देने का मौका गंवाना टीम इंडिया के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

फुटबॉल के मैदान में डराने वाला मंजर...

गोल करने के बाद अचानक मैदान पर गिरे जमाल मुसियाला, मचा हड़कंप!

नई दिल्ली , एजेंसी

फुटबॉल के मैदान पर उस वक्त अचानक चिंता का माहौल बन गया, जब बायर्न म्यूनिख और जर्मनी के स्टार खिलाड़ी जमाल मुसियाला गोल करने के कुछ ही देर बाद मैदान पर गिर पड़े। आरबी लीपजिग के खिलाफ मैत्री मुकाबले में मुसियाला ने अपनी टीम के लिए शानदार गोल कर प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया था, लेकिन कुछ मिनट बाद उनके अचानक गिरने से मैदान पर मौजूद खिलाड़ी, दर्शक और दोनों टीमों का चिकित्सा दल तुरंत सक्रिय हो गया। बायर्न म्यूनिख ने यह मुकाबला 3-1 से अपने नाम किया। लंबे समय तक चोट के कारण मैदान से बाहर रहने के बाद वापसी कर रहे मुसियाला को दूसरे हाफ में मैदान पर उतारा गया था। उन्होंने 81वें मिनट में गोल कर टीम की बढ़त मजबूत कर दी। गोल के बाद मुकाबला आगे बढ़ा ही था कि मुसियाला अचानक मैदान पर गिर पड़े। उस समय वह करीब 15 मिनट ही मैदान पर रहे थे। घटना के तुरंत बाद बायर्न म्यूनिख और आरबी लीपजिग के चिकित्सा दल के सदस्य उनके पास पहुंचे और मैदान पर ही उनकी जांच शुरू कर दी।

बिना सहारे खुद चलकर गए बाहर

कुछ देर बाद राहत की तस्वीर सामने आई। मुसियाला खुद अपने पैरों पर खड़े हुए और बिना किसी सहारे के मैदान से बाहर बने सुरंग की ओर चले गए। हालांकि, इस दौरान वह कुछ असहज और परेशान नजर आए। उन्हें 88वें मिनट में मैदान से बाहर कर दिया गया। जर्मन मीडिया की रिपोर्टों में दावा किया गया कि मुसियाला को अचानक चक्कर आया था। मुकाबले के दौरान म्यूनिख का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक बताया गया। हालांकि, क्लब ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि मैदान पर गिरने की वजह गर्मी, शरीर में पानी की कमी या कोई अन्य कारण था।

बायर्न ने दिया बड़ा राहत वाला अपडेट

मुकाबले के बाद बायर्न म्यूनिख के खेल निदेशक मैक्स एबरल ने मुसियाला की स्थिति पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि खिलाड़ी ठीक है। क्लब के एक अन्य बोर्ड सदस्य ने भी मुसियाला के ठीक होने की पुष्टि की। फिलहाल क्लब की चिकित्सा टीम उनकी स्थिति पर नजर रखेगी। आगे की जांच और चिकित्सकीय आकलन के बाद ही यह तय होगा कि मुसियाला आगामी मुकाबलों के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहेंगे या नहीं। मुसियाला के मैदान पर गिरने की घटना ने उनके पिछले मुश्किल दौर की यादें भी ताजा कर दीं। क्लब विश्व कप में पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाफ मुकाबले के दौरान उनके पैर में गंभीर चोट लगी थी। उनके पैर की हड्डी टूट गई थी, जिसके चलते उन्हें कई महीनों तक फुटबॉल से दूर रहना पड़ा।

टीम की खिताबी जीत पर संजीव गोयनका हुए इमोशनल

नई दिल्ली। मैनचेस्टर सुपर जायंट्स ने द हंड्रेड 2026 का पुरुष खिताब अपने नाम कर लिया है। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में टीम ने ट्रेंट रॉकेट्स को 5 विकेट से हराकर पहली बार ट्रॉफी जीती। ट्रेंट रॉकेट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 158/8 रन बनाए। जवाब में मैनचेस्टर सुपर जायंट्स की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। टिम सिफर्ट ने सिर्फ 38 गेंदों पर 72 रन की तूफानी पारी खेलकर टीम की जीत की नींव रखी।आखिरी ओवरों में मुकाबला रोमांचक हो गया, लेकिन लियाम डॉसन ने छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। इस जीत के बाद टीम के मालिक संजीव गोयनका का रिएक्शन भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। गोयनका ने अपनी टीम को बधाई देते हुए इसे सुपर जायंट्स परिवार के लिए गर्व का पल बताया। उन्होंने पूरी टीम के प्रयास की तारीफ की और टिम सिफर्ट, नूर अहमद और कप्तान जोस बटलर के प्रदर्शन को खास तौर पर सराहा। संजीव गोयनका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर अपनी टीम की ऐतिहासिक जीत के बाद खुशी जाहिर की।

दिग्वेश राठी और प्रियांश आर्य में फिर पंगा

विकेट लेते ही फिर पीछे दौड़ा एलएसजी का स्टार खिलाड़ी, दोहराया पुराना सेलिब्रेशन

नई दिल्ली, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर दिग्वेश राठी एक बार फिर अपने विवादित नोटबुक सेलिब्रेशन को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 में पुरानी दिल्ली 6 और आउटर दिल्ली वॉरियर्स के बीच मुकाबले में दिग्वेश ने प्रियांश आर्य को आउट करने के बाद वही सेलिब्रेशन दोहराया, जिसके कारण आईपीएल 2025 में उन्हें सजा तक झेलनी पड़ी थी। इस बार मामला इसलिए भी दिलचस्प रहा क्योंकि दिग्वेश ने विकेट लेने के बाद अपनी टीम के साथ जश्न मनाने के बजाय पवेलियन लौट रहे प्रियांश की ओर दौड़ लगाई और उनके करीब जाकर नोटबुक सेलिब्रेशन किया। अब यह देखना होगा कि DPL की ओर से उनके इस व्यवहार पर कोई कार्रवाई होती है या नहीं। अरुण जेटली स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में आउटर दिल्ली वॉरियर्स के ओपनर्स प्रियांश आर्य और याजस शर्मा ने पुरानी दिल्ली 6 के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। दोनों ने पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को बड़े स्कोर की ओर बढ़ाया। जब कप्तान अनुज रावत ने दिग्वेश को गेंद सौंपी, तब स्कोर बिना किसी नुकसान के 120 रन था।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

40 के बाद भी जिंदगी में फुल ऑन वाइब्स प्रियंका ने बताया उम्र का असली फंडा

मुंबई। बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा अपनी बेबाक अदाओं और आत्मविश्वास के लिए जानी जाती हैं। उम्र को लेकर समाज में बनी धारणाओं को अभिनेत्री ने एक बार फिर मजेदार अंदाज में चुनौती दी है। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक खास नोट के जरिए प्रियंका ने बताया कि 40 की उम्र पार करने के बाद जिंदगी किसी तय समय-सारणी के हिसाब से नहीं चलती।

प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक मजेदार नोट साझा किया। इसमें 40 की उम्र के अलग-अलग अनुभवों को बेहद हल्के-फुल्के अंदाज में बयां किया गया है। नोट में बताया गया कि किसी की दोस्त दादी बन चुकी है, किसी के घर अभी-अभी नया बच्चा आया है, कोई शादी के 20 साल पूरे होने का जश्न मना रही है, जबकि कोई अपने से काफी छोटे व्यक्ति को डेट कर रही है। अभिनेत्री की पोस्ट का संदेश साफ था कि जिंदगी को किसी तय पैमाने से नहीं मापा जा सकता। हर व्यक्ति का जीवन अलग दिशा में आगे बढ़ता है और हर उम्र में खुश रहने की अपनी वजह होती है। प्रियंका द्वारा साझा किए गए नोट में उम्र के साथ आने वाली मजेदार परेशानियों का भी जिक्र किया गया। इसमें कहा गया कि 40 की उम्र में कुछ लोग अब भी 28 साल के नजर आते हैं, जबकि कुछ लोग सोते-सोते ही मांसपेशियों में खिंचाव महसूस करने लगते हैं।

'कोई टाइमलाइन नहीं, बस वाइब्स हैं'

प्रियंका की पोस्ट की सबसे खास बात इसका सकारात्मक संदेश है। उन्होंने उम्र को लेकर बनाई गई सामाजिक 'टाइमलाइन' पर सवाल उठाते हुए बताया कि हर किसी के लिए जिंदगी का सफर अलग होता है। कोई जल्दी शादी करता है, कोई देर से परिवार शुरू करता है और कोई लंबे समय बाद भी खुद को युवा और उत्साहित महसूस करता है। उनकी यह सोच खासकर उन लोगों के लिए प्रेरणादायक है, जो उम्र के किसी पड़ाव को लेकर दबाव महसूस करते हैं। प्रियंका ने बेहद सहज अंदाज में बताया कि जिंदगी की असली खूबसूरती तय नियमों में नहीं, बल्कि उसे अपनी शर्तों पर जीने में है। काम के मोर्चे पर प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एक बड़े प्रोजेक्ट के साथ दर्शकों के बीच लौटने वाली हैं।

अविका गौर ने फरहाना भट्ट से मांगी माफी बोलीं-आप पर गुस्सा निकालना गलत था

मुंबई । अभिनेत्री अविका गौर इन दिनों रोहित शेट्टी के स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 को लेकर चर्चा में हैं। शो में खतरनाक स्टंट के साथ-साथ कंटेस्टेंट्स के बीच की दोस्ती, नोकझोंक और तनाव भी दर्शकों का ध्यान खींचता है। इसी बीच अविका और फरहाना भट्ट के बीच हुआ एक छोटा सा विवाद भी सामने आया, जिसमें अविका, फरहाना से नाराज नजर आईं।

हालांकि, अब अविका ने खुद इस मामले पर सफाई दी है और माना है कि उस वक्त उनका व्यवहार सही नहीं था। उन्होंने फरहाना से सोशल मीडिया के जरिए माफी भी मांगी। दरअसल, शो में एक टास्क के दौरान अविका गौर फरहाना भट्ट की टीम में शामिल हुई थीं। टीम में आने के बाद फरहाना ने अविका का स्वागत करते हुए उन्हें बधाई दी और अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। लेकिन उस वक्त अविका कुछ परेशान और नाराज दिखाई दे रही थीं। फरहाना के इस अंदाज का जवाब देते हुए अविका ने थोड़े रूखे अंदाज में कहा, आप तो चाहती नहीं थीं मैं आऊं। इस घटना के बाद अब अविका गौर ने अपनी गलती स्वीकार की है। शो की शूटिंग पूरी होने और सभी कंटेस्टेंट्स के भारत लौटने के बाद अविका ने इंस्टाग्राम पर उस घटना का वीडियो शेयर किया। वीडियो के साथ उन्होंने फरहाना को टैग करते हुए लिखा, %%मुझे सच में अपना व्यवहार पसंद नहीं आया। फरहाना मुझे माफ कर दो। टीम को लेकर परेशान होकर मैंने आप पर अपना गुस्सा निकाल दिया, जो गलत था। आपको ढेर सारा प्यार।अविका ने अपनी पोस्ट के अलावा कमेंट में भी फरहाना से माफी मांगी। उन्होंने लिखा, मुझे सच में अच्छा नहीं लगा कि मैंने ऐसा किया। सॉरी फरहाना।

मेट्रो बाजार

सोने ने की धमाकेदार वापसी, चांदी का दाम 2.35 लाख के पार

मुंबई। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार के सत्र में तेजी देखी गई। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 1,800 रुपए बढ़ गया है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 1,804 रुपए बढ़कर 1,54,167 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,52,363 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,41,217 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,39,565 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 18 कैरेट सोने की कीमत 1,15,625 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,14,272 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 1,800 रुपए बढ़कर 2,35,642 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,33,842 रुपए प्रति किलो था।

हाजिर के साथ-साथ वायदा बाजार में तेजी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 1,419 रुपए या 0.92 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,55,925 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। वहीं, चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट 2,419 रुपए या 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,38,343 रुपए प्रति किलो पर था। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी के दाम में तेजी देखने को मिली। खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोने का दाम 0.83 प्रतिशत बढ़कर 4,474 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 2.05 प्रतिशत बढ़कर 66.43 डॉलर प्रति औंस हो गया है।

सेबी ने प्रतिभूति बाजार में साइबर सुरक्षा, घटनाओं की रिपोर्टिंग को मजबूत करने लॉन्च किए पोर्टल

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांता पांडे ने सोमवार को प्रतिभूति बाजार के पूरे इकोसिस्टम में साइबर सुरक्षा, साइबर घटनाओं की रिपोर्टिंग और जानकारी साझा करने की व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से दो नई पहल की घोषणा की। साइबर डिफेंस पर आयोजित सेबी के एक सेमिनार को संबोधित करते हुए पांडे ने कहा कि साइबर खतरे संगठनात्मक और नियामकीय सीमाओं से परे होते हैं और इनका असर आपस में जुड़े संस्थानों, यहां तक कि राष्ट्रीय सीमाओं के पार भी हो सकता है। प्रतिभूति बाजार में साइबर सुरक्षा क्षमता बढ़ाने के प्रयासों के तहत सेबी ने संशोधित इंसिडेंट रिपोर्टिंग पोर्टल और नया साइबर सुरक्षा पोर्टल लॉन्च किया है। पांडे ने कहा कि किसी एक संगठन से शुरू होने वाली साइबर घटना वेंडरों, टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म, थर्ड पार्टी या अन्य जुड़े संस्थानों के जरिए फैल सकती है। इसलिए साइबर रेजिलिएंस को केवल अलग-अलग संगठनों के स्तर पर ही नहीं, बल्कि पूरे वित्तीय इकोसिस्टम में मजबूत करने की जरूरत है।संशोधित सेबी इंसिडेंट रिपोर्टिंग पोर्टल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा संबंधी घटनाओं की रिपोर्टिंग को अधिक व्यवस्थित, समयबद्ध और उपयोगी बनाना है। यह पोर्टल वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) के लिए घटना रिपोर्टिंग एक्सचेंज प्रारूप (फायर)के अनुरूप है। इसका उद्देश्य घटना रिपोर्टिंग में अधिक एकरूपता लाना और सीमा-पार रिपोर्टिंग में आने वाली दिक्कतों को कम करना है। दूसरी पहल, साइबर सुरक्षा पोर्टल , हितधारकों के बीच साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी साझा करने के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा। इसके माध्यम से साइबर सुरक्षा से जुड़ी जानकारी, कमजोरियों से संबंधित चेतावनियां, नीतिगत उपाय और साइबर घटनाओं से मिले अनुभव साझा किए जा सकेंगे।

मानसून में कुर्ग के स्वर्ग जैसे नजरे

कर्नाटक। दक्षिण भारत में स्थित कुर्ग मानसून के दौरान बेहद खूबसूरत नजर आता है। पहाड़ों, घने जंगलों, कॉफी के हरे-भरे बागानों और झरनों से घिरा यह इलाका बारिश के मौसम में प्रकृति की सुंदरता को और निखार देता है। चारों ओर फैली हरियाली और बादलों से ढकी पहाड़ियां यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। मानसून के दौरान कुर्ग के कई झरनों में पानी का बहाव बढ़ जाता है, जिससे उनका प्राकृतिक सौंदर्य देखते ही बनता है। यहां के जंगल और शांत वातावरण प्रकृति प्रेमियों को सुकून देते हैं। साहसिक गतिविधियों के शौकीन लोग मौसम अनुकूल होने पर आसपास की ट्रैकिंग पगडंडियों का आनंद भी लेते हैं। कुर्ग अपने कॉफी बागानों के लिए भी प्रसिद्ध है। बारिश के बीच कॉफी के पौधों से घिरे रास्तों पर घूमना पर्यटकों के लिए अलग अनुभव होता है। यही वजह है कि मानसून में कुर्ग दक्षिण भारत के पसंदीदा पर्यटन स्थलों में शामिल हो जाता है।

न्यूज विंडो

पंचायत राज इंजीनियर समेत तीन लोगों ने नदी में कूदकर की खुदकुशी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में रोड-कम-रेल ब्रिज के पास गोदावरी नदी में कूदकर पंचायत राज विभाग के एक असिस्टेंट इंजीनियर, उनकी पत्नी और बेटी ने आत्महत्या कर ली। स्थानीय मछुआरों ने सतर्कता से उनके पोते को सुरक्षित बचा लिया। तीन लोगों की हुई मौत साउथ जोन की डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस ए. शिवप्रिया के अनुसार, मृतकों की पहचान पीठापुरम में पदस्थ असिस्टेंट इंजीनियर गोलापुडी नुकाराजू, उनकी पत्नी और बेटी सौजन्या के रूप में हुई है। डीएसपी ने बताया कि रविवार शाम को यह परिवार एक ड्राइवर के साथ कार से राजमुंदरी के लिए निकला था। कोव्वूर पहुंचने पर उन्होंने ड्राइवर को पैसे देकर भेज दिया और कार खुद चलाने लगे, जिसे बेटी सौजन्या चला रही थी।

असम में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी की कार एक्सीडेंट में मौत

हाफलोंग। असम के डिमा हसाओ जिले के लाइसोंग में 14 अगस्त को असम पुलिस के सब-इंस्पेक्टर नबाजीत दास की दुर्घटनावश हुई मौत की जांच ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। पुलिस अब इस मामले का ड्रग्स की तस्करी से कोई संभावित संबंध होने की संभावना पर भी गौर कर रही है। लाइसोंग पुलिस चौकी के इंचार्ज दास देर रात नाका चेकिंग कर रहे थे, तभी कथित तौर पर एक गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। जांच करने वाले अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या गाड़ी को जान-बूझकर चेकपॉइंट पर घुसाया गया था। पुलिस ने इस मामले में जुरिया के रहने वाले सलीम उद्दीन को गिरफ्तार किया है, जिस पर ड्रग्स का थोक डीलर होने का शक है। पूछताछ के लिए उसके भाई माहिदुल इस्लाम, पिता अब्दुल कुद्दुस फराजी और दो अन्य लोगों मोफज्जल इस्लाम और रुक्साना खातून को भी हिरासत में लिया गया है। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि गाड़ी नाका पॉइंट पर क्यों आई और क्या उसमें सवार लोगों का नशीले पदार्थों की कथित तस्करी से कोई संबंध था। पुलिस अब तक पूछताछ किए गए पांच लोगों की भूमिका और घटना में शामिल गाड़ी से उनके संभावित संबंधों की भी जांच कर रही है।

फुकेट फ्लाइट टर्बुलेंस मामले के बाद 2 और पायलट डोप टेस्ट में फेल

नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही फ्लाइट के टर्बुलेंस होने के बाद से अब एअर इंडिया उड़ान से पहले सभी पायलटों का डोप टेस्ट करवा रही है। एअर इंडिया द्वारा लागू की गई नई मानक संचालन प्रक्रिया के तहत कराए गए प्रारंभिक डोप टेस्ट में दो और पायलट पॉजिटिव पाए गए हैं। अंतिम रिपोर्ट आने तक दोनों संबंधित पायलटों को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है। दरअसल, फुकेट से आ रही फ्लाइट के टर्बुलेंस होने के बाद से एकर इंडिया ने अपने अपने सभी पायलटों को ड्रग टेस्ट कराने का आदेश दिया था। अब तक 300 से अधिक पायलट यह प्रक्रिया पूरी कर चुके हैं। अंतिम ड्रग टेस्ट के परिणाम आमतौर पर 24-48 घंटे में आ जाते हैं। गौरतलब है कि बीते 4 अगस्त को थाईलैंड के फुकेट से दिल्ली आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट टर्बुलेंस में फंस गई थी और करीब 300 फीट नीचे आ गई थी।

चुनावी धांधली पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, अब सरकार मनमाने ढंग से केस नहीं कर सकेगी वापस

उम्मीदवारों पर दर्ज चुनावी अपराधों के मुकदमे वापस लेने से पहले हाईकोर्ट की मंजूरी जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

यह आम बात रही है कि चुनाव प्रक्रिया में गलत तरीकों (जैसे काले धन का इस्तेमाल) का इस्तेमाल करने वाले उम्मीदवारों पर दर्ज मामले सरकार बदलने पर राज्य सरकार द्वारा वापस ले लिए जाते हैं लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों को वापस लेने के लिए संबंधित हाई कोर्ट की मंजूरी जरूरी होगी।

सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का जिक्र करते हुए कि मौजूदा सांसदों और विधायकों से जुड़े केस सिर्फ हाई कोर्ट की मंजूरी से ही वापस लिए जा सकते हैं, जस्टिस संजय करोल और एन.के. सिंह की बेंच ने कहा कि यह नियम चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होना चाहिए।

पीठ ने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि यह सुझाव निष्पक्षता की दिशा में एक बड़ा कदम है। असल में इससे चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार भी आपराधिक मुकदमों के मामले में चुने हुए सांसदों और विधायकों के बराबर आ जाएंगे। हमारी राय में इससे उम्मीदवारों और संभावित उम्मीदवारों को यह संदेश मिलता है कि गलत कामों में शामिल होना कोई मामूली बात नहीं है। एक बार जब उनके खिलाफ मुकदमा शुरू हो जाता है तो सिर्फ राजनीतिक सत्ता बदलने से ही वे बच नहीं पाएंगे। पीठ ने आगे कहा, दूसरे शब्दों में एक संवैधानिक लोकतंत्र अपने प्रतिनिधियों से उसी स्तर की नैतिक ईमानदारी और सच्चाई की उम्मीद करता है।

न्याय प्रणाली की भावना के खिलाफ

अदालत ने यह भी कहा, 'चुनाव आयोग का मानना है कि आम तौर पर केस वापस नहीं लिए जाने चाहिए। हालांकि, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि राजनीतिक सत्ता में बदलाव के कारण अक्सर ऐसे फैसले लिए जाते हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि ऐसा करना निष्पक्ष आपराधिक न्याय प्रणाली की भावना के पूरी तरह खिलाफ है। यह प्रणाली संवैधानिक रूप से चलने वाले गणतंत्र की पहचान है, खासकर भारत जैसे देश की, जहां शक्तियों का बंटवारा स्पष्ट रूप से माना जाता है और जहां तक संभव हो उसे लागू भी किया जाता है। अदालत ने कई निर्देश जारी किए, जिनमें एक निर्देश यह भी था कि अगर चेकिंग के दौरान स्टैटिक सर्विलांस टीम को 10 लाख रुपये से ज्यादा नकद मिलता है तो इनकम टैक्स विभाग को कार्रवाई के लिए सक्रिय किया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि मामले की जांच करने वाले अधिकारी को केस दर्ज होने की तारीख से एक साल के भीतर जांच पूरी करने की हर संभव कोशिश करनी चाहिए। चुनावी राजनीति में काले धन की भूमिका पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'लोकतंत्र, कानून का शासन और चुनावी प्रक्रिया ये तीनों विचार एक-दूसरे से अटूट रूप से जुड़े हुए हैं। अगर इनमें से किसी एक पहलू से भी समझौता किया जाता है तो इसका असर इन तीनों विचारों और उनके क्रियान्वयन पर पड़ता है।'

बांग्लादेशी महिला एक माह बाद अवैध तरीके से लौटी, गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी

मुंबई पुलिस ने एक 27 वर्षीय बांग्लादेशी महिला को अवैध रूप से भारत में फिर से प्रवेश करने और बिना वैध यात्रा दस्तावेजों के शहर में रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी उस समय हुई जब वह अपने देश निर्वासित होने के केवल एक महीने बाद ही भारत लौट आई। यह जानकारी एक अधिकारी ने सोमवार को दी। गामदेवी पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, आरोपित की पहचान नादिरा सुल्ताना के रूप में हुई है। उसे अवैध मार्ग से भारत में प्रवेश करने के बाद आवश्यक दस्तावेजों के बिना रहने के आरोप में पकड़ा गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि उसने भारत में फिर से प्रवेश कैसे किया और क्या इस प्रक्रिया में किसी ने उसकी मदद की। यह घटना शनिवार को सामने आई जब पुलिस को गिरगांव चौपाटी के पास फुटपाथ क्षेत्र में एक संदिग्ध बांग्लादेशी महिला के घूमने की सूचना मिली।

वैध दस्तावेज नहीं मिले

पुलिस द्वारा प्रारंभिक पूछताछ के दौरान वह अपनी पहचान और पते के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाई। उसके हावभाव संदिग्ध होने पर उसे आगे की पूछताछ के लिए पुलिस थाने ले गई। जांच के दौरान, पुलिस ने पाया कि उसके पास भारत में रहने के लिए वैध दस्तावेज नहीं थे। पुलिस ने कहा कि जांच से पता चला है कि सुल्ताना को पिछले महीने ही भारत से बांग्लादेश निर्वासित किया गया था। निर्वासन के बाद वह फिर से अवैध मार्ग से भारत लौट आई और अंततः मुंबई पहुंची। इस मामले में एक मामला दर्ज किया गया है।

जयपुर में सीआरपीएफ कैंपस के पास मिला जिंदा मोर्टार बम

जयपुर, एजेंसी

जयपुर के आमेर क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कैंपस के निकट जिंदा बम मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस और नागरिक सुरक्षा की टीम मौके पर पहुंची। बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया।

बम निरोधक दस्ते ने बम को आबादी से दूर ले जाकर डिफ्यूज किया। आमेर पुलिस थाना अधिकारी गौतम डोटासरा ने बताया कि गांव के एक खेत में बम पड़ा हुआ था। सोमवार सुबह मौके से गुजर रही एक महिला ने इसको देखा तो स्वजन को सूचना दी, फिर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बम निरोधक दस्ते को बुलाकर आबादी क्षेत्र से दूर बम को डिस्पोज करवाया। प्रारंभिक जांच में खेत में मिला बम सेना का पुराना मोर्टार होने की बात सामने आई है। अब इस बात की जांच की जा रही है कि खेत में यह कैसे पहुंचा।

फिलीपींस: स्कूल में बंदूकें लेकर पहुंच गया छात्र टीचर और दोस्तों पर चला दी गोली, 2 की मौत

मनीला, एजेंसी

फिलीपींस के एक स्कूल में गोलीबारी हो गई। हमलावर कोई और नहीं, बल्कि स्कूल में ही पढ़ने वाला एक हाई स्कूल का छात्र था। वह कैंपस में दो बंदूकें लेकर घुस आया और लोगों पर फायरिंग कर दी। इस घटना में एक छात्र की मौत हो गई और हमलावर ने भी खुदकुशी कर ली।

मामला दक्षिणी फिलीपींस के जाम्बोआंगा का है। शहर के मेयर खाइमर अदान ओलासो ने बताया कि हमलावर में बॉडी कैमरा पहना हुआ था और वह हमले की लाइव स्ट्रीमिंग कर रहा था। इस घटना में दो लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस के

मुताबिक, स्कूल में पढ़ने वाला छात्र दो बंदूकें लेकर कैंपस में घुस गया। सबसे पहले उसने अपने टीचर पर गोली चलाई। लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि टीचर को गोली लगी या नहीं। इसके बाद उसने अपने साथी छात्र को गोली मार दी। गोली लगते ही छात्र की मौके पर मौत हो गई। इसके बाद हमलावर छात्र ने खुद को भी गोली मार ली। यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट एर्नाल्ड अंदल ने बताया कि अब गोलीबारी नहीं हो रही है और घटना में किसी अन्य के मौत या घायल होने की खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि विद्यालय प्रशासन अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है और जो अतिरिक्त जानकारी मिलेगी, उसे उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके पहले जून में भी फिलीपींस के टैक्लोबन शहर में एक हाई स्कूल में ऐसी घटना हुई थी, जहां स्कूल के ही दो छात्रों ने कैंपस में गोलीबारी कर दी थी।

मेट्रो एंकर

1,943 करोड़ रुपए में दो नए सी गार्डियन ड्रोन लीज पर लेगा भारत

नौसेना की बढ़ेगी ताकत, बेड़े में शामिल होंगे दो और एमक्यू-9बी सी गार्डियन ड्रोन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय नौसेना की क्षमता और बढ़ने वाली है। इसके बेड़े में दो नए एमक्यू-9बी सी गार्डियन ड्रोन शामिल होने वाले हैं। इसके लिए रक्षा मंत्रालय ने अमेरिकी रक्षा कंपनी से अहम डील की है। मंत्रालय ने सोमवार को घोषणा की कि उसने भारतीय नौसेना के लिए 1,943 करोड़ रुपये की लागत से दो एमक्यू-9बी सी गार्डियन (हाई-एल्टीट्यूड लांग-एंड्योरेंस अनमैन्ड एयरक्राफ्ट) लीज पर लेने के लिए अमेरिकी रक्षा कंपनी जनरल एटामिक्स एयरोनाटिकल सिस्टम्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह ड्रोन लगातार 30 से 40 घंटे तक हवा में रहने में सक्षम है। यह 40,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है। इसे दूर बैठे पायलट द्वारा रिमोट से पूरी तरह नियंत्रित किया जाता है। यह एडवांस्ड सिस्टम, अत्याधुनिक सेंसर और बेहतरीन पेलोड से लैस हैं।

30 महीने के लिए अनुबंध पर किए हस्ताक्षर

इससे समुद्री क्षेत्र के विशाल इलाकों में लगातार खुफिया जानकारी, निगरानी और टोह लेने की सुविधा प्रदान होगी, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखने और उन पर प्रतिक्रिया देने की भारत की क्षमता मजबूत होगी। यह डील ऐसे समय में हुई है, जब भारत और चीन हिंद महासागर क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए रणनीतिक खींचतान में लगे हुए हैं। नौसेना पहले से ही दो सी गार्डियन ड्रोन का इस्तेमाल कर रही है, जिन्हें कुछ साल पहले लीज पर लिया गया था। मंत्रालय ने कहा कि उसने 30 महीने की अवधि के लिए ड्रोन के लिए कंपनी के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका मूल्य लगभग 1,943 करोड़ रुपये है। रक्षा विभाग के अतिरिक्त सचिव और महानिदेशक (अधिग्रहण) की उपस्थिति में इस पर हस्ताक्षर किए गए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564